हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026

तापमान

अधिकतम 38.2 डिग्री

न्यूनतम 26.2 डिग्री

12 विद्यालय विद्यार्थियों के सपनों को आकार ...

14 दसवीं-बारहवीं द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा देंगे 7411...

खबर संक्षेप

भिलाई-चरोदा निगम का आज घेराव

भिलाई। नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा का घेराव 30 जून को किया जाएगा। इसे लेकर भाजपा भिलाई तीन और चरोदा मंडल द्वारा किया जाना है। क्षेत्र विकास कार्य पूरी तरह ठप, पेयजल समस्या, कमीशनखोरी को लेकर हल्ला बोल किया जाएगा। जिसमें सभी भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहेगें। भिलाई। नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा का घेराव 30 जून को किया जाएगा। इसे लेकर भाजपा भिलाई तीन और चरोदा मंडल द्वारा किया जाना है। क्षेत्र विकास कार्य पूरी तरह ठप, पेयजल समस्या, कमीशनखोरी को लेकर हल्ला बोल किया जाएगा। जिसमें सभी भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहेगें।

छात्र ने लगाई फांसी

भिलाई। छात्रावास में रहने वाले एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना भिलाई नगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि पंडरिया जिला कबीरधाम निवासी निखिल पौसार्य साईं महाविद्यालय सेक्टर 6 में बीएससी बायो का प्रथम छात्र था। जो भिलाई में रहकर पढ़ाई करता था। साल भर से भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के समीप बने महाराणा प्रताप भवन के छात्रावास में रहता था। रविवार की सुबह निखिल अपने कमरे से बाहर नहीं निकलने पर संदेह होने पर अन्य छात्रो ने पुलिस को सूचना दी। कमरा का दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश करने पर निखिल का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। निखिल के आत्महत्या का कारण अज्ञात है फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

बीएसपी में स्क्रैप चोरी मामला

तीन क्रेन ऑपरेटर से होगी पुलिस रिमांड में पूछताछ, कराया जाएगा सीन रिक्रिएट

मुख्य आरोपी से करोड़ों की संपत्ति जब्त, 3.22 करोड़ के स्क्रैप चोरी की जानकारी पुख्ता

भिलाई स्टील प्लांट के अंदर से चोरी हुए 250 टन स्क्रैप लोहे की जांच में पुलिस उलझती जा रही है। हर दिन नए नए नाम सामने आ रहे हैं। पुलिस अब तक इस मामले में मास्टर माइंड संजय सिंह व आकाश सिंह सहित 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, वहीं कई अन्य फरार हैं। अब तक की जांच में जिले या प्रदेश के किसी भी बड़े चेहरे का स्पष्ट नाम नहीं आया है, इसके लिए पुलिस हर दिन अलग अलग लोगों से पूछताछ कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी की सुरक्षा में सेंध...

इस पूरे मामले में साजिशकर्ता तक पहुंचेगी पुलिस

स्क्रैप चोरी के 13 आरोपियों के पास मिली 10 करोड़ की संपत्ति, 25 से ज्यादा खाते फ्रीज

आरोपियों से पुलिस लगातार कर रही पूछताछ

दुर्ग पुलिस ने अब उन तीन क्रेन ऑपरेटर को रिमांड पर लिया है, जो प्लांट के अंदर ट्रकों में स्क्रैक को लोड करते थे। पुलिस इन लोगों को उस जगह पर ले जाएगी जहां से स्क्रैप लोड किया जाता था। सीन रिक्रिएट कराकर पुलिस ये समझेगी ये पूरा खेल कैसे चलता था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस पूरे खेल में सीआईएसएफ से लेकर बीएसपी के अधिकारी कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध हैं।

जो आरोपी पकड़े गए हैं उन्होंने किसी का स्पष्ट नाम नहीं लिया है। इसलिए पुलिस ने तीन क्रेन ऑपरेटर को रिमांड पर लिया है। पुलिस अब इन ऑपरेटर से पूछताछ करेगी कि वो ट्रकों की पहचान कैसे करते थे। किस ट्रक में कौन सा स्क्रैप लोड करना है ये निर्देश कौन देता था। ट्रक आने से पहले वहां क्रेन को ले जाने का निर्देश कौन देता था। क्या इस पूरे खेल की जानकारी बीएसपी के अधिकारी को भी रहती थी। क्या सीआईएसएफ के सिपाही और अधिकारी ड्यूटी के दौरान स्क्रैप चोरी को कभी पकड़े हैं। क्या उनकी इसमें मिली भगत है। इस तरह के सवालों के जवाब से पुलिस को काफी कुछ कहानी क्लीयर ये हो जाएगी कि इसमें बीएसपी और सीआईएसएफ की भी सहभागिता थी या नहीं।

हरिभूमि पड़ताल

एक आरोपी ने बताई पहचान लेकिन नहीं लिया नाम

पुलिस ने इस प्रकरण में जिन आरोपियों को पकड़ा है उसमें एक पंजाबी व्यक्ति कबूल किया है कि स्क्रैप चोरी के पूरे खेल में सीआईएसएफ का भी हाथ था। उसने बताया कि उनका एक सिपाही भी माल लोड करने के दौरान पहुंचा था। उसने उस सिपाही का नाम तो नहीं बताया, लेकिन यह दावा किया कि वो उसे चेहरे से पहचान लेगा, लेकिन दुर्ग पुलिस के अधिकारियों के सामने ये चुनौती है कि इतनी बड़ी संख्या में बीएसपी की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के अधिकारियों और कर्मचारियों को उस आरोपी के सामने कैसे खड़ा कर पहचान कराई जाए।

3.22 करोड़ का लोहा चोरी होने का दावा

सूत्रों के मुताबिक ऐसा दावा किया जा रहा है कि पिछले छह महीने में बीएसपी के अंदर से 17.87 करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है, लेकिन दुर्ग पुलिस के अधिकारी का दावा है कि उनकी जांच में ये आया है कि अब तक आरोपियों ने प्लांट के अंदर से 3.22 करोड़ रुपए का लोहा चोरी किया है। पुलिस ने संजय सिंह के पास के पास से अब तक तीन करोड़ रुपए की अचल संपत्ति, 50 लाख रुपए की ज्वेलरी व कई एकाउंट को जब्त किया है।

राजनीतिक खींचतान शुरू

इस पूरे मामले में अब राजनीतिक खींचतान भी शुरू हो गई है। एक तरफ जहां वैशालीनगर विधायक सोशल मीडिया में पोस्ट डालकर लगातार खुलासे कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस व आप के नेता आरोप लगाते हुए उनसे ही सवाल पूछ रहे हैं।

पुलिस की जांच जारी

पुलिस की जांच में आया है कि अब तक 3.22 करोड़ रुपए का स्क्रैप प्लांट के अंदर से चोरी हुआ है। पुलिस लगातार आरोपियों को रिमांड में लेकर पूछताछ कर रही है। आगे की जांच जारी है। फरार आरोपियों की भी तलाश जारी है।

-सुखनंदर राठौर, एएसपी सिटी

केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार फिर भी बीएसपी से करोड़ों का लौह स्क्रैप पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- मुकेश चंद्राकर ने कहा कांग्रेस पर आरोप लगाने वाले विधायक का साथी ही गिरोह में शामिल

एशिया के सबसे बड़े स्टील प्लांट बीएसपी से ब्लू डस्ट के नाम पर करोड़ों की लौह स्क्रैप की चोरी का मामला अब तूल पकड़ चुका है। भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर का कहना है कि बीएसपी केंद्र के अधीन है। वर्तमान में पिछले 12 वर्षों से केंद्र में भाजपा की सरकार है, वहीं राज्य में भी भाजपा की सरकार है। इससे पूर्व छत्तीसगढ़ प्रदेश में 15 वर्षों तक लगातार भाजपा राज कर चुकी है और अब भी कर रही है। ऐसे में भिलाई इस्पात संयंत्र से करोड़ों रुपए की स्क्रैप चोरी की भनक न लग पाना आश्चर्य पैदा करता है। मुकेश चंद्राकर ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के बयान को कि इन पैसों से कांग्रेस चुनाव जीतती है और भाजपा के प्रत्याशियों को हराती रही है को हास्यास्पद बताया। उनका कहना था कि पिछले दो-तीन दशक पर नजर डालें तो केंद्र और राज्य दोनों जगह बीजेपी की सरकार है और खरीद फरोख्त में कौन माहिर है यह जग जाहिर है। आश्चर्यजनक तो यह कि लौह स्क्रैप के परिवहन में जिन वाहनों का उपयोग किया गया है उसमें बीजेपी के एक पदाधिकारी की गाड़ी है। इस पदाधिकारी का विधायक रिकेश सेन से घनिष्ठता सब जानते हैं। विधायक के साथ इस पदाधिकारी की फोटो कई जगहों पर लगी हुई है। चंद्राकर का कहना है कि वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन स्वयं पिछले दो दशक से राजनीति में है लेकिन बीएसपी में हो रहे इस करोड़ों की हेराफेरी की जानकारी उन्हें अचानक कुछ दिन पहले लगी। वे अपने बयान में जिन सफेदपोश नेताओं का जिक्र कर रहे हैं आखिरकार उनका नाम क्यों नहीं बताते। बीएससी से करोड़ों रुपए का स्क्रैप यदि रोज निकल रहा है तो यह एक दो लोगों का काम नहीं है इसमें एक पूरा संगठित गिरोह है। इस गिरोह में शासन प्रशासन के अधिकारी संयंत्र के अधिकारी राजनीतिक दल के लोग ट्रांसपोर्टर सहित अन्य लोग शामिल हैं।

फर्जी पट्टा बनाकर लोन लेने का प्रयास, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

फर्जी पट्टा तैयार कर गृह ऋण लेने का प्रयास करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रानीतराई पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत तेलीगुंडरा की सरपंच हुलेश्वरी साहू ने पुलिस में शिकायत किया। जिसमें गांव के धनेश्वर कुमार निर्मलकर 1800 वर्गफुट भूमि का फर्जी पट्टा और पंचायत प्रमाण पत्र तैयार किया। उसे आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, न्यू दीपक नगर, दुर्ग में ऋण लेने पहुंचा। शिकायत की जांच के दौरान सरपंच एवं अन्य गवाहों के कथन लिए गए। पंचायत अभिलेखों के परीक्षण भी कराया गया, यह प्रमाणित हुआ कि पट्टा प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत द्वारा कभी जारी नहीं किया गया था। दस्तावेज पर अंकित मुहर एवं प्रमाणन भी ग्राम पंचायत का वास्तविक नहीं पाई गई। विवेचना के दौरान आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से आरोपी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां मिली। संस्था द्वारा दी गई जानकारी के दस्तावेजों का परीक्षण बाद ऋण आवेदन स्वीकृत नहीं किया गया। मामले में पुलिस ने धनेश्वर कुमार निर्मवकर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से फर्जी भूमि पट्टा प्रमाण पत्र, फर्जी पंचायत प्रमाण पत्र, ऋण आवेदन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए।

एक्टिवा ट्रैक्टर से टकराई, मौत

भिलाई। सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर से एक्टिवा सवार वृद्ध के टकरा जाने से मौत हो गई है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि जुनवानी निवासी सुनील 59 वर्ष अपनी एक्टिवा में आ रहा था। इस दौरान चौहान पार्क ब्यू के सामने एक्टिवा सड़क पर खडे ट्रैक्टर सीजी 07 सीके 6708 के पीछे से टकरा गया। आसपास के लोगों ने वृद्ध को उपचार के लिए अस्पताल भेजा जहां डॉ ने मृत घोषित कर दिया।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

भिलाई। शराब के साथ महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर ग्राम दमोदा पारधी पारा में महिला अपने घर के सामने गौठान के पास शराब बेच रही थी। उसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी का नाम दमोदा पारधी पारा, चौकी नगपुरा निवासी रायपुरहीन पवार है। देशी मसाला शराब शोले के 35 पौवा , नगदी राशि 560 रुपए कुल रकम 4,060 रुपए जब्त किया गया है।

स्कूटी और बुलेट में टक्कर एक की मौत तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- अमलेश्वर पुलिस थाना क्षेत्र की घटना

काम से घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई है। हादसे में तीन अन्य लोग भी घायल हैं। घटना रविवार देर रात अमलेश्वर थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि पाहंदा रोड तिराहे पर स्कूटी और बुलेट की आमने-सामने टक्कर हो गई। स्कूटी सवार सभी युवक सड़क पर गिर गए। स्कूटी में एक किशोर, राहुल व यश शर्मा सवार थे। तीनों रुद्र विहार में मंदिर निर्माण का काम करते हैं। रविवार रात काम खत्म कर रायपुर से उदय विहार की ओर लौट रहे थे। तभी पहंदा सड़क के पास तिराहे पर उनकी स्कूटी की बुलेट से आपस में टक्कर हो गई। हादसे में ब्राह्मण पारा, रायपुर निवासी 24 वर्षीय यश शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने सभी घायलों को वाहन से अस्पताल भेजा। अस्पताल में डॉक्टरों ने यश शर्मा को मृत घोषित कर दिया। स्कूटी पर सवार किशोर और राहुल को भी चोटें आई हैं। जबकि बुलेट चला रहा युवक टिकरापारा रायपुर निवासी शुभम साहू है। जो हादसे में घायल है। जिसका अस्पताल में उपचार जारी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाने लेकर आ गई। मृतक के शव को पीएम के लिए मरचूरी भेज दिया है। जांच में यह सड़क हादसा स्कूटी और बुलेट की टक्कर होना पाया गया है।

चार संविदा कर्मियों पर स्थानीय स्तर पर कार्रवाई

दीपिका मौत मामले में दो डॉक्टरों व एक नर्स पर कार्रवाई की अनुशंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

स्टेशन मरोदा निवासी सिकलिंग पीड़ित युवती दीपिका गाड़ा की मौत मामले में जिला अस्पताल के दो डॉक्टरों व एक नियमित नर्स के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। यह अनुशंसा जिला स्तरीय जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से पत्र के माध्यम से की गई है।डॉ. निखिल अग्रवाल और डॉ. तृप्ति तिवारी इस मामले में कार्रवाई के दायरे में हैं। डॉ. अग्रवाल पीजी रेजिडेंट और डॉ. तृप्ति एनएचएम से नियुक्त हैं। इसलिए संबंधित को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया है। अनसतसिया केरकट्टा स्टॉफ नर्स हैं और रेगुलर हैं। इसलिए उनकी भी कार्रवाई राज्य से ही होनी है।

चार संविदा कर्मियों पर स्थानीय कार्रवाई

सिंकलिंग पीड़ित दीपिका गाड़ा की मौत मामले में स्थानीय स्तर पर चार संविदा कर्मियों को बर्खास्त किया गया है। इनमें तरन्नुम जहां लैब टैक्नीशियन , नगरा परवनी लैब टैक्नीशियन, जागेश्वरी देवी स्टॉफ नर्स एनएचएम और तनूजा चंद्राकर एनएचएम शामिल हैं। जांच टीम की रिपोर्ट के आधार पर जिला मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी ने इन कर्मियों की सेवाएं ही समाप्त कर दी है। इन कर्मियों की नियुक्तकर्ता जिले से की गई है। जो संविदा के रूप में पदस्थ थे।

पूरे मामले में लैब प्रभारी को लेकर चर्चा

दीपिका की मौत मामले में जिला ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. जेपी मेश्राम को लेकर खासी चर्चा है। इनकी भी नियुक्ति जिला प्रशाासन ने संविदा के रूप में की है। डॉ. मेश्राम ने जब दीपिका की मौत हुई थी तो अपने स्टॉफ को बचाने के लिए सोशल मीडिया और सिविल सर्जन को यह कह दिया था कि दीपिका के परिजन ब्लड के लिए ब्लड बैंक में नहीं आए। महकमें और स्वास्थ्य संगठनों से जुड़े लोगों का कहना है कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर ब्लड बैंक प्रभारी को जानबूझ कर छोड़ा जा रहा है।

सिकलिंग पीड़ित युवती की मौत मामले में संविदा टेक्नीशियन बर्खास्त, डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं

ब्लड लेने आए तो 85 यूनिट ब्लड था उपलब्ध

सिकलिंग पीड़िता दीपिका के परिजन जब जिला ब्लड बैंक में ब्लड लेने के लिए आए तो उस वक्त इस बैंक में 85 यूनिट ब्लड का स्टॉक था। उसके बावजूद दीपिका के परिजनों को बिना डोनर लाए ब्लड नहीं मिला। जांच टीम की प्रमुख अपर कलेक्टर योगिता देवांगन ने इस मामले में 9 लोगों को आरोपी बनाया था और बयान दर्ज किए थे। जिसमें चार संविदा कर्मियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। एक नर्स व दो डॉक्टर पर कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया है। ब्लड बैंक प्रभारी व एक अन्य डॉक्टर को भी आरोपी बनाया गया लेकिन इन दोनों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

जानिए क्या है मामला : स्टेशन मरोदा वार्ड 17 निवासी 22 वर्षीय दीपिका गाड़ा को तबियत बिगड़ने पर 30 मई की रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दीपिका सिकलिंग पीड़ित थी। डॉक्टरों ने जब जांच की तो उसके शरीर में ब्लड 5.5 एमएल मिला। डॉक्टरों ने ब्लड चढ़ाने की बात लिखी लेकिन जब पिता मन्नूराम गाड़ा ब्लड लेने जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में गए तो उसे डोनर लाने कह दिया गया। नियम में सिकलिंग पीड़ित को निःशुल्क व बिना डोनर के ब्लड मुहैया कराया जाना है। उसके बाद ब्लड नहीं मिलने की वजह से 2 जून को दीपिका की मौत हो गई।

खबर संक्षेप

बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

अण्डा। ग्राम आमटी में राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश को पोलियो मुक्त बनाने की दिशा में जागरुकता बढ़ाना और बच्चों को पोलियो से सुरक्षित करना रहा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत आमटी की सरपंच दुर्गा पुरुषोत्तम चौधरी, सहयोगी ललिता चौधरी, शशिकला चौधरी, विद्या देशमुख, कन्हैया चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सतनाम युवा संगठन समिति की बैठक आयोजित

ओखरा मुरमुन्दा। सतनाम युवा संगठन समिति मुरमुंदा परिक्षेत्र के अध्यक्ष रामस्वरूप चतुर्वेदी द्वारा परिक्षेत्र के सभी संत समाज का सामाजिक बैठक आयोजित किया गया। जिसमें समाज सुधार एकजुटता, रीति-रिवाज व समाज एकीकरण पर चर्चा किया गया। बालकों की शिक्षा पर जोर दिया गया, समाजिक कार्यक्रम की शुरुआत बाबा की आरती से हो, हर सोमवार को शाम 7 बजे सामूहिक आरती श्वेत खाम पर हो, 18 दिसंबर को ही बाबा जी जयंती हर गांव में मनाया जाय। विवाह, सगाई व अन्य शुभ कार्य गांव के भंडारी द्वारा कराया जाय। मृत्यु भोज यथाशक्ति सादाभोज ही कराया जाय। सामाजिक एकजुटता रीति-रिवाज एकीकरण हो। बैठक में राजमहंत ओनी महिलांग, प्रेमसागर चतुर्वेदी, महेश रात्रे, सनिल जोशी, बसंत गायकवाड, सदई बंधे, गुहा राम कुर्रे, टिकेंद्र कुर्रे, सुकलाल महिलांग, कल्याण बर्रे, अंजोरी टंडन, खिलेश्वरी टंडन, अश्वनी कुर्रे, छबीलाल बंजारे, प्रमोद कुर्रे, बुधे लाल बर्रे, उत्तम जोशी,पवित्र गेंडरे, राजू भारती, रवि बंधे, राजेंद्र बंजारे, अशोक आडिल व सभी संत समाज उपस्थित रहे।

धनोरा में गुरु पूर्णिमा मनाने हुई बैठक

उतई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में स्वर्गीय परमानंद कठोलिया की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं पुण्य तिथि मनाने का निर्णय लिया गया। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि इस वर्ष 2 अगस्त को सुबह दस बजे से रात्रि 9 बजे तक गुरु पूर्णिमा एवं अतिथी स्वागत का कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें मुख्य अतिथि पद्मश्री ममता चंद्राकर एवं प्रेम चंद्राकर फिल्म निर्देशक एवं निर्माता विशेष अतिथि दुष्यंत हरमुख रंग झरोखा संस्थान, रिंकी देवांगन लोक गायिका, स्वर कोकिला कविता वासनिक, हिमानी वासनिक, कनक साहू, बाल कलाकार लोकगायिका तृषा साहू एवं टोमन वर्मा जस जगराता का कार्यक्रम होगा।

निधन

हेमलता साव

दुर्ग। मुक्त नगर दुर्ग निवासी हेमलता साव पत्नी स्व. सीएल साव का सोमवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार दुर्ग में किया गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

विविध स्कूलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया शाला प्रवेशोत्सव

विद्यालय विद्यार्थियों के सपनों को आकार देने का पवित्र स्थान : दयानंद सोनकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सेलूद

संकल्प संदेश के साथ मनाया शाला प्रवेशोत्सव

संकुल स्त्रोत केंद्र परसदा विकासखंड पाटन के अधीनस्थ शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा में शाला प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। शाला प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम दयानंद सोनकर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के मुख्य आतिथ्य, कैलाश यादव, कुंजबिहारी साहू, परस राम साहू के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ ।

पूर्व संकुल शैक्षिक समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षक ललित कुमार बिजौरा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के तैलचित्र में पूजा अर्चना वंदना के साथ हुआ पश्चात शासकीय प्राथमिक शाला मगरघटा के कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले एवं पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा के कक्षा छठवीं में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश वितरण कर स्वागत किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। संस्था प्रमुख केपी चौबे द्वारा स्वागत भाषण दिया गया तथा शाला परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं उनके स्वागत में छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कैलाश यादव एवं कुंज बिहारी साहू एवं परस राम साहू ने नवप्रवेशी बच्चों को नियमित शाला आने एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पालक, बालक एवं शिक्षक को मिलकर कार्य करने की बात कही। मुख्य अतिथि दयानंद सोनकर ने नवप्रवेशी बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने एवं बच्चों को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के सपने को आकार देने का पवित्र स्थान होता है इसलिए प्रत्येक बच्चे को अच्छा इंसान बनने का सपना अवश्य देखना चाहिए। उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नवप्रवेशी बच्चों ने नियमित स्कूल आने, अनुशासन में रहने, बड़ों का सम्मान करने, अपना गृह कार्य नियमित रूप से करने का संदेश अपने संकल्प के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व संकुल शैक्षिक समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षक ललित कुमार बिजौरा ने किया एवं आभार प्रदर्शन शिक्षक कोमल सिंह ठाकुर ने किया।

कार्यक्रम में पदमनी ध्रुव, संगीता बंजारे, कौशल्या बारले, राजबती टंडन, चित्ररेखा टंडन, द्रौपदी निषाद, देवकी धृतलहरे, रेवती बारले, रामेश्वरी साहू, शीतल यादव, गायत्री बारले, जानकी निषाद सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अंडा स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया शाला प्रवेश उत्सव

अंडा। ग्राम अंडा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला बस्ती पारा में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ पर शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर और मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् देवेंद्र कुमार सिन्हा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें गुलाल लगाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के जीवन की मजबूत नींव है और हर बच्चे को नियमित विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए। शासन की कल्याणकारी योजनाओं के तहत विद्यालय में प्रवेश लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर बच्चों और पालकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में फेकूराम चंद्राकर विधायक प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि रिकेश्वरी चंद्राकर, अध्यक्ष द्रोपदी तारक, उपाध्यक्ष तारिणी धीमर, सदस्यगण रूपा, ममता, तामेश्वरी, प्रभा, दुर्गा, तनूजा, जागेश्वर मेश्राम, धर्मेंद्र, रीना महिलांग, प्रधान पाठक संतोषी ठाकुर, शिक्षिका राखी सिन्हा सहित विद्यालय स्टाफ, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पालक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रवेशोत्सव बच्चों के लिए उत्साहवर्धक और प्रेरणादायक

अण्डा। शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला अछोटी, संकुल कुथरेल, विकासखंड एवं जिला दुर्ग में 27 जून को शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य बेला यादव, ग्राम सरपंच झन्ना दिल्लीवार, उपसरपंच घनश्याम दिल्लीवार, संस्था प्रमुख राधेलाल चन्द्राकर, पालकगण एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बेला यादव ने नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया और उन्हें पुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान बेला यादव एवं सरपंच झन्ना दिल्लीवार ने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताते हुए प्रेरणादायक बातें साझा कीं, जिससे बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम के अंत में शाला के प्रधान पाठक राधेलाल चन्द्राकर ने उपस्थित अतिथियों, पालकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद मुख्य अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और बच्चों ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। शाला प्रवेशोत्सव का यह आयोजन बच्चों के लिए उत्साहवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा, जो नए शिक्षा सत्र की सकारात्मक शुरुआत का प्रतीक बना।

अंचल की खबरें

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने राहुल गांधी से की मुलाकात

दुर्ग। अभनपुर में आयोजित कांग्रेस जिलाध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने प्रदेशभर से आए जिलाध्यक्षों से वन-टू-वन मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने भी राहुल गांधी से भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने लगभग तीन घंटे तक जिलाध्यक्षों के साथ संवाद करते हुए कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती तथा भविष्य की रणनीति पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक, संवैधानिक एवं सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित एक जनआंदोलन है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में देश की आजादी के आंदोलन में कांग्रेस के ऐतिहासिक योगदान, संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाए रखने में पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना चाहिए। इस अवसर पर राहुल गांधी ने सभी जिलाध्यक्षों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनके जिलों की राजनीतिक एवं संगठनात्मक स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक सुझाव और मार्गदर्शन भी दिया।

भगवान बलराम की पूजा कर मनाया सहकारिता पर्व

उतई। सहकारिता पर्व के तत्वावधान में वृहताकार सहकारी समिति मर्या. उतई 101 में सहकारिता कार्यक्रम कृषक सदस्यों की उपस्थिति में मनाया गया। यह कार्यक्रम 29 जून से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत माता व कृषक देव भगवान बलराम के तेल चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर पूजा पश्चात सहकारिता ध्वज का रोहन किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकृत फत्तेलाल वर्मा, धनश्याम चंद्राकर, पूर्व अध्यक्ष रूप नारायण शर्मा, प्रबंधक गिरधर सोनी, कृषक गण व संस्था में कार्यरत कर्मचारी उपस्थित थे।

ढौर समिति में मनाया सहकारिता दिवस

सेलूद। सेवा सहकारी समिति ढौर प्र. क्र. 3444 में सोमवार को सहकारिता सप्ताह दिवस मनाया गया सर्वप्रथम भगवान बलराम के तैल चित्र का पूजा कर प्रारम्भ किया गया जिसमे सहकार से समृद्धि दृष्टिकोण की दिशा मे सहकारी क्षेत्र की उपलब्धियों का वाचन किया गया। इसमें लक्ष्मीनारायण चंद्राकर प्राधिकृत अधिकारी समिति ढौर, मेघा ठाकुर सरपंच ग्राम पंचायत ढौर, दुलारी यादव पूर्व सरपंच, कुसुम साहू पंच, ओमप्रभा पंच, राजकुमार मिश्रा, हरप्रसाद आडिल, भानुप्रताप साहू, रोमनाथ साहू, बीनू मौर्य, दुलार साहू, रुखमज यादव, रोमन दास वैष्णव आदि उपस्थित थे।

भाजपाईयों ने सुनी मन की बात

ओखरा मुरमुन्दा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' का प्रसारण मुरमुन्दा मंडल के शक्ति केंद्र गोढ़ी शक्ति केंद्र क्रमांक 2 बूथ क्रमांक 65 अछोटी बूथ में सुना गया। इस दौरान शारदा जांगड़े महिला मोर्चा अध्यक्ष मुरमुन्दा मंडल ,हीरालाल मार्कण्डेय (सरपंच), भगवती श्रीवास, संगीता श्रीवास, ज्योति देवांगन, ज्योति साहू, द्रोपती ठाकुर, सत्या साहू, संतोषी साहू, बरतनीन यादव, देवकी साहू, अजय जांगड़े एवं अन्य मौजूद थे।

बिजनेस साइट

डीएवी मॉडल स्कूल दुर्ग में अबेकस और वैदिक मैथ्स का नया कोर्स शुरू

दुर्ग। युगप्रवर्तक महर्षि दयानंद सरस्वती की प्रेरणा से 1981 से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे आर्य नगर स्थित डीएवी मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल ने सत्र 2026-27 के लिए नई पहल की है। स्कूल ने विद्यार्थियों के लिए अबेकस और वैदिक मैथ्स का विशेष कोर्स शुरू किया है। इस कोर्स के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। इंग्लिश मीडियम सीजी बोर्ड की क्लास नर्सरी से क्लास 12 के एडमिशन प्रारंभ हो चुके हैं। स्कूल प्रबंधन के अनुसार इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य बच्चों की गणना क्षमता को तेज करना, एकाग्रता बढ़ाना और तार्किक शक्ति का विकास करना है। अनुभवी एवं फ्रेंडली प्रशिक्षकों द्वारा सुरक्षित व पॉजिटिव माहौल में पढ़ाई कराई जाएगी। वैदिक गणित की प्राचीन तकनीक और अबेकस की आधुनिक पद्धति से बच्चे स्मार्ट माइंड, शार्प कैलकुलेशन और ब्राइट फ्यूचर की ओर अग्रसर होंगे।

स्पर्श हॉस्पिटल में निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच और रक्तदान शिविर कल

भिलाई। डॉक्टर्स डे के अवसर पर स्पर्श मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रामनगर, सुपेला, भिलाई द्वारा जनस्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए 1 जुलाई को निःशुल्क फाइब्रोस्कैन (लीवर) जांच शिविर एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. संजय गोयल एवं डॉ. दीपक वर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को लीवर संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना, समय रहते जांच के लिए प्रेरित करना तथा रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना है। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टर अभिजीत जैन की निगरानी में आधुनिक फाइब्रोस्कैन मशीन से लीवर की जांच की जाएगी एवं परामर्श प्रदान किया जायेगा। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं का सम्मान भी किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने एवं रक्तदान कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने की अपील की है। रक्तदान करने के इच्छुक व्यक्ति अस्पताल में संपर्क कर सकते हैं।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

ADMISSION Open

स्कूलों और संस्थानों में एडमिशन ओपन

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत, बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहे कदम

शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि अब यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, कौशल निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की नींव बन चुकी है। नए शैक्षणिक सत्र के साथ शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, श्रद्धा मॉन्टेश्वरी स्कूल, डी.ए.व्ही. मॉडल हायर सेकेंड्री स्कूल, मनसा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन और देव संस्कृति कॉलेज जैसे संस्थान विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और सीखने के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए एडमिशन ओपन कर चुके हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में अभिभावक अपने बच्चों के लिए ऐसे शिक्षण संस्थान का चयन करना चाहते हैं, जहां पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन, रचनात्मक सोच और व्यवहारिक ज्ञान का विकास हो सके। यही कारण है कि स्कूल और कॉलेज भी बदलते समय के अनुरूप अपनी शिक्षा पद्धति और सुविधाओं को लगातार बेहतर बना रहे हैं।

शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास पर जोर

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों के केवल परीक्षा परिणाम ही नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्कूलों में अकादमिक शिक्षा के साथ खेल, कला, गतिविधियां, तकनीकी ज्ञान और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होते हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संस्थानों की पहल

हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल जैसे संस्थान विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं। यहां पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों और रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है। वहीं श्रद्धा मॉन्टेश्वरी स्कूल छोटे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत आधार देने की दिशा में कार्य कर रहा है। शुरुआती वर्षों में बच्चों की सीखने की क्षमता, व्यवहार और आत्मनिर्भरता को विकसित करना शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

डी.ए.व्ही. मॉडल हायर सेकेंड्री स्कूल जैसी संस्थाएं विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार देने के साथ अनुशासन और संस्कार आधारित शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करती हैं।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर

स्कूली शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा का चरण विद्यार्थियों के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मनसा ग्रुप दि इंस्टीट्यूशन और देव संस्कृति कॉलेज जैसे संस्थान विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई और करियर विकल्पों के लिए तैयार करने की दिशा में अवसर प्रदान कर रहे हैं।

आज के समय में उच्च शिक्षा में केवल डिग्री हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगारपरक ज्ञान, तकनीकी कौशल और व्यावहारिक अनुभव की भी आवश्यकता होती है। इसी सोच के साथ शिक्षण संस्थान अपने पाठ्यक्रम और सुविधाओं में लगातार बदलाव कर रहे हैं।

एडमिशन का सही समय, भविष्य की मजबूत शुरुआत

नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए यह महत्वपूर्ण समय है। सही संस्थान का चयन विद्यार्थी के शैक्षणिक सफर और भविष्य की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाता है। बेहतर शिक्षा, अनुभवी शिक्षक, सकारात्मक वातावरण और आधुनिक संसाधन विद्यार्थियों को सफलता की राह पर आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

शहर के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक विद्यार्थी और अभिभावक संस्थानों से संपर्क कर प्रवेश संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और अपने भविष्य की मजबूत नींव रख सकते हैं।

कलेक्टर अभिजीत ने बाल संरक्षण संस्थानों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय बालगृह, बाल खुला आश्रय गृह, सेवा भारती मातृछाया बोरसी, सम्प्रेक्षण गृह पुलगांव एवं प्लेस ऑफ सेफ्टी बालक का भ्रमण कर बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, भोजन एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी संस्थानों में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सबसे पहले कलेक्टर श्री सिंह शासकीय बालगृह पहुंचे, जहां वर्तमान में 16 बच्चे निवासरत हैं। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खान-पान की जानकारी ली। बच्चों के शैक्षणिक स्तर का आंकलन करने के लिए उन्होंने गणित के जोड़-घटाव से जुड़े प्रश्न भी पूछे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीक्षक को निर्देशित किया कि प्रत्येक बच्चे का उसकी आयु के अनुरूप विद्यालय में प्रवेश कराया जाए तथा अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। उन्होंने बालगृह में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नियमित शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बाल खुला आश्रय गृह में सात बच्चे

कलेक्टर श्री सिंह ने बाल खुला आश्रय गृह का निरीक्षण किया, जहां सात बच्चे रह रहे हैं। उन्होंने सभी बच्चों की नियमित काउंसिलिंग कराने और उनके पुनर्वास की दिशा में प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सात में से पांच बच्चों को बिहार से एक ठेकेदार द्वारा फैक्ट्री में काम कराने के उद्देश्य से लाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को संबंधित ठेकेदार एवं फैक्ट्री प्रबंधन के विरुद्ध बाल संरक्षण कानूनों के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और पुनर्वास पर दिया विशेष जोर

सम्प्रेक्षण गृह में हैं 38 बच्चे

उन्होंने पुलगांव स्थित सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। यहां वर्तमान में 38 किशोर रह रहे हैं, सम्प्रेक्षण गृह में किसी अपराध में शामिल पाए गए 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जेल भेजने के बजाय एक सुरक्षित और सुधारात्मक वातावरण में रखकर उनका पुनर्वास करना है। बच्चों को अपराधी बनने से रोकना, उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार करना है। कलेक्टर ने बच्चों से संवाद कर भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पुलगांव स्थित प्लेस ऑफ सेफ्टी बालक का भी जायजा लिया। यहां 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों को पृथक रूप से रखा जाता है। वर्तमान में यहां 38 किशोर रह रहे हैं। कलेक्टर ने संस्थान की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ ही स्टॉक पंजी का अवलोकन किया और आवश्यक अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी आरके जाम्बुलकर, परियोजना समन्वयक चंद्रप्रकाश पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

उपमुख्यमंत्री को निगम की समस्याएं बताई

भिलाई। उपमुख्यमंत्री अरूण साव को 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंप स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश के निकायो में व्याप्त अधिकारी कर्मचारी की समस्याओं पर चर्चा किए। इस पर मंत्री ने विभागीय सचिव और संचालक को फोन कर आवश्यक निर्देश दिए। स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ बीएमएस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष शरद दुबे के नेतृत्व में अरूण साव उपमुख्यमंत्री से नवा रायपुर निवास कार्यालय में भेंट कर प्रदेश के नगर निगम, पालिका परिषद और नगर पंचायतों में व्याप्त अधिकारी कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। संघ के महामंत्री अनिल सिंह ने बताया कि निकायो में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने, ठेका प्रथा समाप्त कर प्लेसमेंट कर्मचारियों को नियमित करने, 5 लाख का केशलेश इलाज, निकाय का नवीन सेट-अप जारी करने, छटवां व सातवां वेतनमान का एरियर्स प्रदान करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके लम्बित राशि के भुगतान को शीघ्र करने, नियमित रूप से प्रति माह 7 तारीख का वेतन भुगतान करने, पदोन्नति जैसे मांगों को रखा गया। प्रतिनिधि मण्डल में हरिशंकर चतुर्वेदी, संजय मिश्रा, विष्णु चन्द्राकर, दुर्गेश गुप्ता, रामवृक्ष यादव, गोपाल सिन्हा,कृष्णा देशमुख, नवीन साहू, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, विवेक रंगनाथ, सुमन गुप्ता, पूजा ताम्रकार, नंदिनी आदि उपस्थित थे।

केंद्राध्यक्षों को गोपनीय सामग्री का वितरण एक जुलाई से

दसवीं-बारहवीं द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा देंगे 7411 विद्यार्थी, 17 केंद्र बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

10वीं के 4,549 तथा 12वीं के 2,862 विद्यार्थी होंगे शामिल

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवी व बारहवीं बोर्ड द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा 2026 में जिले के 7,411 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। बोर्ड ने इस परीक्षा के लिए दुर्ग जिले में कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। इनमें 10वीं के 4,549 तथा 12वीं के 2,862 विद्यार्थी शामिल परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के प्रश्नपत्रों व गोपनीय सामग्री का वितरण 1 जुलाई से केंद्राध्यक्षों के माध्यम से संबंधित थानों में रखा जाएगा। इन प्रश्नपत्रों को परीक्षा के दिन केंद्रों में लाकर खोले जाएंगे। जिला शिक्षा विभाग के मुताबिक परीक्षा प्रतिदिन सुबह 9:15 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित होगी।

जिले में सबसे बड़ा परीक्षा केंद्र स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय दुर्ग है, जहां 879 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जिसमें दसवीं के 444 और बारहवीं 435 विद्यार्थी हैं। शासकीय आदर्श कन्या उच्च मा.वि दुर्ग में दसवीं के 363 और बारहवीं 222 विद्यार्थी यानी कुल 585 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। शासकीय तिलक कन्या उच्च मा.वि., दुर्ग में दसवीं के 318 और बारहवीं 174 कुल 492 विद्यार्थी, स्वामी आत्मानंद उ.मा.वि., दीपक नगर में कुल 433 जिसमें दसवी के 234 व बारहवीं के 199, शासकीय उ.मा.वि. कैम्प-1, भिलाई में कुल 660 जिसमें दसवीं के 393 व बारहवीं 267, हार्डसिंग बोर्ड भिलाई में कुल 652 जिसमें दसवीं 407 और बारहवीं 245 विद्यार्थी शामिल होंगे। पं. जवाहरलाल नेहरू शा. उ.मा.वि., खुर्सीपार में 360, सेक्टर-5 में 514, शासकीय उ.मा.वि. अंडा में 311, स्वामी आत्मानंद उतई 60, कन्या पाटन में 229, सेजेस जामगांव (आर) 517 सेजेस जामगांव (एम) 592, कन्या, पाटन 283 ,सेजेस बोरी 210, बालक धमधा में 185, सेजेस अहिवारा 449 विद्यार्थी शामिल होंगे।

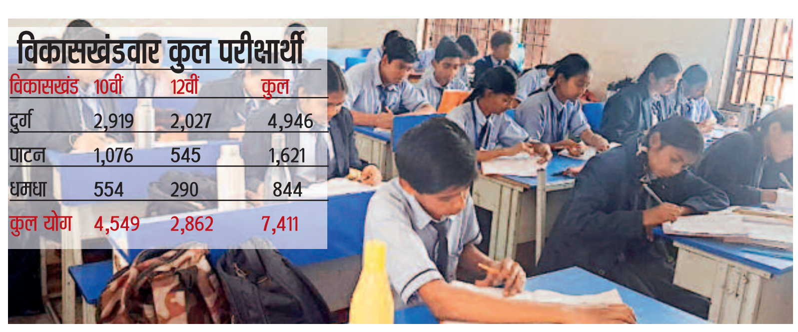

विकासखंडवार कुल परीक्षार्थी

विकासखंड	10वीं	12वीं	कुल
दुर्ग	2,919	2,027	4,946
पाटन	1,076	545	1,621
धमधा	554	290	844
कुल योग	4,549	2,862	7,411

बोर्ड परीक्षा परिणाम में दुर्ग जिले का प्रदेश में है 29 वें नंबर पर

बोर्ड परीक्षा परिणाम 2026 घोषित हुआ तो दुर्ग जिले का प्रदेश में काफी कमजोर प्रदर्शन रहा। बारहवीं में दुर्ग जिला 29वें नबर पर और दसवी में 31 वें नंबर पर रहा है। पिछले साल की तुलना में बारहवीं में 5.05 प्रतिशत और दसवीं में 8.81 प्रतिशत रिजल्ट गिरा है। द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा में यदि विद्यार्थी अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे तो जिले का ओवरऑल रिजल्ट में अच्छा सुधार आ सकता है। बोर्ड ने इस बार पूरक, अनुतीर्ण और कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दूसरी बार भी परीक्षा में अवसर दे रहा है।

कक्षा 10वीं परीक्षा समय-सारणी

तिथि	विषय
9 जुलाई	गणित
11 जुलाई	प्रथम भाषा (हिन्दी)
14 जुलाई	द्वितीय भाषा (अंग्रेजी)
15 जुलाई	व्यावसायिक पाठ्यक्रम
16 जुलाई	विज्ञान
18 जुलाई	सामाजिक विज्ञान
20 जुलाई	तृतीय भाषा (संस्कृत/मराठी/उर्दू/पंजाबी/सिंधी आदि)
21 जुलाई	विशेष विषय (दृष्टिबाधित विद्यार्थियों हेतु)

कक्षा 12वीं परीक्षा समय-सारणी

तिथि	विषय
8 जुलाई	हिन्दी
10 जुलाई	अंग्रेजी
11 जुलाई	संस्कृत
13 जुलाई	कृषि एवं अन्य व्यावसायिक विषय
14 जुलाई	भाषा विषय (मराठी, उर्दू, पंजाबी, सिंधी, गुजराती आदि)
15 जुलाई	गणित / सांख्यिकी
16 जुलाई	समाजशास्त्र
17 जुलाई	राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र, दर्शन शास्त्र, फसल उत्पादन आदि
18 जुलाई	मनोविज्ञान
20 जुलाई	कंप्यूटर साइंस, आईटी एवं अन्य तकनीकी विषय
21 जुलाई	गायन, चित्रकला, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान आदि
22 जुलाई	जीव विज्ञान, लेखाशास्त्र, भूगोल, भारतीय कला का इतिहास आदि

अस्पताल कर्मचारी आधे मानदेय पर कर रहे काम

भिलाई। सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल में जीवनदीप समिति के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को पिछले दो माह से केवल आधा मानदेय दिया जा रहा है। वेतन में कटौती से नाराज कर्मचारियों ने इसकी शिकायत कलेक्टर से की है।

- शिकायत करने पर नौकरी ने निकालने की दी जाती है धमकी, कलेक्टर से शिकायत

जानकारी के अनुसार अस्पताल में जीवनदीप समिति के तहत 39 कर्मचारी कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों का मासिक मानदेय 10,800 रुपए निर्धारित है, लेकिन अप्रैल माह से फंड की कमी का हवाला देते हुए उन्हें केवल 5,400 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि आधे वेतन में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई, घर का किराया, राशन और अन्य जरूरी खर्चों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। उनका आरोप है कि वेतन संबंधी शिकायत करने पर नौकरी से निकालने की धमकी भी दी जाती है। आर्थिक तंगी और अनिश्चितता से परेशान कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और मांग की कि उनका पूरा मानदेय नियमित रूप से दिलाया जाए तथा उनकी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। अब कर्मचारियों की निगाह जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

बजट की प्रयोग करने में अनियमितता का आरोप

यह कर्मचारी पहले 5 से 8 हजार रुपए मानदेय पर कार्य कर रहे थे। अगस्त 2025 में हुए जीवनदीप समिति की बैठक में 39 कर्मचारियों का मानदेय 10 हजार 800 रुपए देने की व्यवस्था लागू की गई। फिर अचानक अप्रैल 2026 से कर्मचारियों को 5 हजार 400 रुपए का मानदेय दिया जा रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि जब 39 कर्मचारियों को मानदेय देने में जीवनदीप समिति को परेशानी हो रही है तो बिना किसी अनुसंशा के वैकल्पिक व्यवस्था के तहत फिर से 15 से 20 कर्मचारी क्यों को रखा गया। इस तरह से जीवनदीप समिति के अंतर्गत कार्य करने वाले कर्मचारी को संख्या लगभग 60 हो गई है।

फंड आने पर किया जाएगा भुगतान

जीवनदीप समिति में फंड आते ही सभी कर्मचारियों को बकाया मानदेय का भुगतान कर दिया जाएगा।
-डॉ. पीयाम सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्पताल सुपेला

भिलाई की बसाहट बचाने आज से घर-घर विधायक देवेंद्र देंगे दस्तक

भिलाई। बीएसपी की टाउनशिप, सेक्टर-9 अस्पताल और मैत्री बाग के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव मंगलवार से जनसंपर्क अभियान शुरू करेंगे। अभियान की शुरुआत सेक्टर-2 से होगी, जहां वे घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात करेंगे और भिलाई की बसाहट बचाने के लिए समर्थन मांगेंगे।विधायक ने गत दोनों कहा कि बीएसपी प्रबंधन ने सेक्टर-9 अस्पताल को न बेचने और न ही निजी संस्था को लीज पर देने का आश्वासन दिया था। साथ ही टाउनशिप और मैत्री बाग की मूल बसाहट को सुरक्षित रखने की बात भी कही गई थी। उनका आरोप है कि छह माह बाद भी इस दिशा में कोई स्पष्ट पहल नहीं हुई है। वहीं, टाउनशिप के रहवासियों को नोटिस मिलने से लोगों में असुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ी है। देवेंद्र यादव ने कहा कि वे उन परिवारों से सीधे संवाद करेंगे जिन्हें नोटिस मिले हैं। जनसमर्थन के आधार पर इस मुद्दे को व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह गांधीवादी और लोकतांत्रिक तरीके से चलेगा। विधायक का कहना है कि भिलाई केवल एक औद्योगिक शहर नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से आए लोगों की साझा संस्कृति और वर्षों की बसाहट का प्रतीक है। इसे किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं दिया जाएगा।

जलाराम लॉज में चल रहा था देह व्यापार, तीन पुलिस गिरफ्त में

भिलाई। दुर्ग के इंदिरा मार्केट स्थित जलाराम लॉज में लंबे समय से देह व्यापार का अवैध कारोबार चल रहा था। सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि सूचना मिली थी कि इंदिरा मार्केट स्थित जलाराम लॉज में देह व्यापार चल रहा है। पुलिस की टीम ने वहां दबिश देकर लॉज से 2 पुरुष एवं 3 महिलाओं को आपत्तिजनक हालत में गिरफ्तार किया। मौके से लॉज का संचालन करने वाला भी पकड़ा गया है। आरोपियों में विजय गुजराती, नारायण देशमुख, तमाशा कुमार साहू को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 4 मोबाइल फोन, नगद 20,000 रुपए जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 80 कंडोम पैकेट समेत कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने आसपास किसी भी प्रकार की अनैतिक अथवा अवैध गतिविधि की जानकारी होने पर पुलिस को तुरंत सूचना दें। जिसकी पहचान पुलिस गोपनीय रखेगी।

मोबाइल शाप में घुसकर संचालक से मारपीट, चार के खिलाफ जुर्म दर्ज

भिलाई। मोबाइल शॉप में घुसकर मारपीटड कर जान से मारने की धमकी देने वाले चार के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है।सुपेला पुलिस ने बताया कि आकाशगंगा स्थित मार्केट में भोमिया जी इलेक्ट्रानिक मोबाइल शॉप संचालक सोनार गली गंजपारा दुर्ग निवासी मनीष जैन है। उनके शॉप के भीतर घुसकर 27 जून की शाम राजेश बूरण, राकेश बूरण, आनंद श्रीश्रीमाल, जीतू श्रीश्रीमाल, महिला समेत अन्य लोग दुकान पर अचानक पहुंचे। आते ही उक्त लोगों ने संचालक को रकम देने की बात कहते हुए जमकर मारपीट करना शुरु कर दिया। मनीष के मुताबिक उन लोगों से उसका कोई भी रकम का लेनदेन नहीं है। सभी एकजुट होकर मोबाइल शॉप में पहुंचे और गाली-गलौज कर हाथ-मुक्कों से मारपीट करना शुरु कर दिया। मनीष जैन का आरोप है कि उनको रकम देने से इनकार किया तो उन्हें खींचकर उनके कपड़े फाड़े और मारपीट करते रहे। लोगों ने धमकी भी दिया कि पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की बात कहकर निकल गए। घटना में मनीष जैन के हाथ, आंख समेत शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई है। घटना के समय दुकान में मौजूद कर्मी जितेंद्र निषाद, उसके दोस्त राजेश जैन समेक कई दुकानदारों ने घटनाक्रम को देखा है।

होटल कारोबारी से मारपीट जान से मारने की धमकी

भिलाई। होटल संचालक और बिरयानी दुकान के संचालक के बीच जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने अपराध दर्ज कर शुरू कर दी है।सुपेला पुलिस ने बताया कि द वेज थ्योरी होटल आर्क रेस्टोरेंट के संचालक ने मामले की शिकायत की है। उसने बताया कि 29 जून 2026 को होटल आर्क में वो बैठा था। रोज की तरह जब वो रात पौने 1 बजे होटल बंद करके निकल रहा था तभी होटल चौहान इम्पीरियन के गेट के सामने राजेश सिंह एवं मेज़बान कुकर बिरयानी का संचालक अदनान, उमर, हरजीत, अंकित आपस में विवाद करते हुये गाली गलोज कर रहे थे। विवाद देखकर वो वहां पहुंचा तो देखा कि कुकर बिरयानी का संचालक अदनान, उमर, हरजीत, अंकित सभी एक राय होकर राजेश सिंह को जान से मारने की धमकी देते हुये मारपीट कर रहे थे। राजेश को बचाने मै गया तो अदनान, उमर, हरजीत, अंकित ने मेरे ऊपर भी हमला कर दिया। उन्होंने हाथ मुक्का एवं किसी नुकीली वस्तु कई वार किए। मारपीट में राजेश सिंह को शरीर के विभिन्न हिस्से में चोट आई है। घटना में पीड़ित का सोने से गुंथी हुई रुद्राक्ष की माला और बांये कान में पहने सोने का कुंडल बाली गायब है।

सर्वसुविधायुक्त अस्पताल को निजी हाथों में क्यों सौंपा जा रहा है

संयुक्त यूनियन ने शुरू किया सेक्टर-9 अस्पताल बचाओ अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

सेक्टर 9 अस्पताल के निजीकरण के खिलाफ आज सोमवार जून से संयुक्त यूनियनों द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के स्थायी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिजनों के बीच व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया गया। अभियान के तहत विभिन्न विभागों, टाउनशिप और आवासीय क्षेत्रों में पर्चे वितरित किए जा रहे हैं तथा छोटे-छोटे समूहों में बैठकें आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान अस्पताल को निजी हाथों में सौंपने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया। यूनियन ने प्रबंधन से भी सवाल किया है कि जब अस्पताल में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं और वह हजारों परिवारों की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार है, तो उसे निजी हाथों में सौंपने की आवश्यकता आखिर क्यों पड़ रही है। उल्लेखनीय है कि बीएसपी के सेक्टर 9 हास्पिटल के निजीकरण के प्रयासों का पुरजोर विरोध किया जा रहा है। सीटू, इंटक, एटक, एचएमएस,एक्टू स्टील वर्कर्स यूनियन ने संयुक्त रूप से निजीकरण नहीं करने की मांग करते हुए मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके लिए लोगों को जागरूक करने के लिए जनसंपर्क अभियान शुरू करने का ऐलान किया था। अभियान के दौरान यूनियनों के पदाधिकारियों व सदस्यों ने संयंत्र के विभिन्न विभागों और टाउनशिप में लोगों से मिलकर बताया कि सेक्टर-9 अस्पताल केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिवारों की जीवन सुरक्षा का आधार है। अस्पताल का सार्वजनिक स्वरूप बनाए रखना केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के नागरिकों का साझा हित है। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय एनएसओ की 80 वीं स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों का औसत जेब से खर्च मात्र 6,631 रुपए है, जबकि सभी प्रकार के अस्पतालों में यह औसत 34,064 रुपए तक पहुंच जाता है। सार्वजनिक अस्पताल आम लोगों को महंगे इलाज के आर्थिक बोझ से बचाते हैं।

- संयुक्त यूनियन ने निजीकरण के नुकसान से कराया अवगत

सरकारी व निजी अस्पताल बड़ा अंतर

यूनियन नेताओं ने जन संपर्क मुहिम के दौरान लोगों को बताया कि एनएसओ के अनुसार सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने वाले आधे से अधिक मरीजों का कुल खर्च 1,100 रुपए या उससे कम रहा। प्रसव सेवाओं सहित अधिकांश उपचारों में सरकारी अस्पतालों का खर्च निजी अस्पतालों की तुलना में काफी कम है। निजीकरण से कर्मचारियों को नुकसान होगा। अनेक पीपीपी मॉडल के अनुभव बताते हैं कि समय के साथ उपचार शुल्क और व्यावसायिक दबाव बढ़ते हैं। यदि सेक्टर-9 अस्पताल में भी ऐसा मॉडल लागू किया गया तो कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करना है।

उपलब्धियों को नहीं भूलना चाहिए

सेक्टर 9अस्पताल में 3 टेस्ला एमआरआई जैसी आधुनिक सुविधाओं की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार तथा जनदबाव से ब्लड बैंक को सुरक्षित रखना इस बात का प्रमाण है कि यह अस्पताल आज भी क्षेत्र की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम है। ऐसे अस्पताल को कमजोर करने के बजाय और अधिक सशक्त बनाया जाना चाहिए।संयुक्त यूनियनों ने सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, पेंशनरों, उनके परिवारों एवं आम नागरिकों से इस जनसंपर्क अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा है कि जब सरकारी अस्पताल मजबूत होते हैं, तब परिवार सुरक्षित होते हैं। जब स्वास्थ्य सेवा बाजार के हवाले होती है, तब इलाज महंगा और असुरक्षित हो जाता है।

ज्ञानार्जन व विकास की उत्कृष्टता में बीएसपी प्रथम

भिलाई। बीएसपी ने मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट एमटीआई, रांची द्वारा आयोजित ज्ञान उत्सव : एचआर लर्निंग एंड डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वित्तीय वर्ष के लिए 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट इन सेल' श्रेणी में प्रथम उपविजेता का सम्मान प्राप्त किया। संगठनात्मक, विभागीय एवं व्यक्तिगत श्रेणियों में भी अनेक सम्मान प्राप्त हुए। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में क्षमता निर्माण आयोग सीबीसी की सदस्य डॉ. अल्का मित्तल मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता सेल के निदेशक केके सिंह ने की। बीएसपी से 'बेस्ट इनोवेटिव प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट' का पुरस्कार महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक नीरजा शर्मा, उप प्रबंधक सुष्मिता पाटला तथा सहायक महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिन्हा ने प्राप्त किया।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

जय जगन्नाथ... देवस्नान के बाद...

लाइव इवेंट

वट वृक्ष की पूजा कर पति की दीर्घायु की कामना, सात फेरे लेकर बांधे धागे

भिलाई। हनुमान मंदिर सेक्टर-2 में महाराष्ट्रीयन महिलाओं ने परंपरागत रीति-रिवाज से वट सावित्री पर्व मनाया। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महिलाओं ने वट पूर्णिमा पर वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना की। उषा क्षीरसागर ने बताया कि वट सावित्री व्रत हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं द्वारा पति के अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए रखा जाता है। यह व्रत सावित्री-सत्यवान की अमर कथा पर आधारित है, जहां सावित्री ने अपनी बुद्धिमत्ता से यमराज से पति सत्यवान के प्राण वापस लिए थे। यह घटना बरगद के पेड़ के नीचे हुई थी, इसलिए वट वृक्ष की पूजा की जाती है। मान्यता है कि बरगद में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। लंबी आयु के प्रतीक इस वृक्ष की पूजा से पति को दीर्घायु प्राप्त होती है। महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत में यह व्रत ज्येष्ठ पूर्णिमा को वट पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है, जबकि उत्तर भारत में ज्येष्ठ अमावस्या को मनाते हैं। पूजा के दौरान महिलाओं ने सुबह स्नान कर नए वस्त्र और पूरा श्रृंगार किया। वट वृक्ष की जड़ में जल अर्पित कर रोली, अक्षत, भीगे चने तथा फल चढ़ाए। सूत के कच्चे धागे से वट वृक्ष के चारों ओर सात फेरे लेकर परिक्रमा की। परिक्रमा के बाद सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी गई। पूजा के बाद आम का प्रसाद बांटा गया। महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाया और श्रृंगार सामग्री भेंट की। बांस के पंखे और सुहाग सामग्री का दान कर बड़ों से आशीर्वाद लिया। सभी ने एक-दूसरे को बधाई दीं। इस अवसर पर उषा क्षीरसागर, चारू, सुषमा कोल्हे, चित्रा बरणे, मोनिका लाखे सहित समस्त महाराष्ट्रीयन महिलाएं उपस्थित थीं।

- महाराष्ट्रीयन महिलाओं ने मनाया वट सावित्री पर्व

सिटी इवेंट

महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था का स्थापना दिवस और सम्मान समारोह इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र, बैच और नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मानसी ने संस्था की कार्यप्रणाली और सदस्यों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के तहत सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर बहनों को स्वावलंबन की दिशा में संस्था का काम सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि सजीव ने कहा कि संस्था सभी क्षेत्रों में अच्छा काम कर रही है। इम्पैक्ट इंडिया में भारत के 100 बेस्ट एनजीओ और अध्यक्षों का सम्मान इंदौर में किया गया। इससे प्रमाणित होता है कि अखिल भारतीय बहुउद्देशीय संस्था सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है। मुख्य वक्ता डी एन शर्मा ने कहा कि गाड़ी तभी आगे बढ़ती है जब उसका इंजन सही हो। उन्होंने संस्था की अध्यक्ष और सभी सदस्यों की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रजनी बघेल ने सभी कर्मठ सदस्यों की सराहना की और आगे बढ़ने शुभकामनाएं दी।

- अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था का स्थापना दिवस समारोह संपन्न, नए सदस्य सम्मानित

नए सदस्य और सलाहकार सम्मानित

रजनी बघेल ने नए सदस्यों संगीता आस्थाना, डॉ. बीना सजीव, राजेश आस्थाना, भारती बेन, पुष्पा चौहान, तब्बसुम खान और खुशबू सिंग को माला, बैच और सदस्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सलाहकार समिति के सदस्य प्रो डी एन शर्मा, डॉ. हंसा शुक्ला और प्रदीप भट्टाचार्य को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था के सभी गणमान्य सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र और बैच प्रदान किए गए।संस्था की अध्यक्ष शानू मोहनन ने साल भर की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने आय व्यय और एक्शन प्लान की जानकारी सदस्यों के सामने रखी। कार्यक्रम में अभिलाषा मिश्रा, शेफाली भट्टाचार्य, शैलजा नायर, राजेंद्रन नायर, संगीता आस्थाना, राजेश आस्थाना, विजय लक्ष्मी, संयोजिका सागरिका पाढी, भारती देवांगन, सुनंदा चंद्राकर, सोनम गुप्ता, खुशबू सिंग, पुष्पा चौहान, तब्बसुम खान, भारती बेन, उमा नायर, क्रिश यादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन भारती देवांगन ने किया। आभार व्यक्त शानू मोहनन ने दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

● एनआईटी रायपुर और रूंगटा यूनिवर्सिटी के फार्मेसी कॉलेज की संयुक्त रिसर्च

छत्तीसगढ़ के फॉर्मूले से बन सकेगी डायबिटिक फुट की दवा, जल्द भरेंगे घाव, इंसानों पर होगा क्लिनिकल ट्रायल

कई बार कोई घाव महीनों तक नहीं भरता। दवाइयां चलती रहती हैं, लेकिन संक्रमण खत्म नहीं होता। इसकी बड़ी वजह यह होती है फंगस और बैक्टीरिया, जो घाव के ऊपर एक मजबूत परत बना लेते हैं। इस परत की वजह से दवाइयों का असर कम हो जाता है। अब छत्तीसगढ़ के वैज्ञानिकों ने ऐसा प्राकृतिक पदार्थ खोजा है, जो इस परत को बनने से रोक सकता है। इससे आने वाले समय में फंगस सहित डायबिटीज के मरीजों के पुराने घाव, कैथेटर से होने वाले संक्रमण और लंबे समय तक नहीं भरने वाले जख्मों से राहत मिल सकती है।

भिलाई। इस रिसर्च को दुनिया की प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस की प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। यह रिसर्च एनआईटी रायपुर, रूंगटा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी और पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के वैज्ञानिकों ने मिलकर की है।

एचवीए पदार्थ पर हुई रिसर्च

शोध में होमोवेनिलिक एसिड (एचवीए) नाम के प्राकृतिक पदार्थ पर काम किया गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पदार्थ फंगस और बैक्टीरिया के उस मिलेजुले संक्रमण को कमजोर करता है, जो सबसे ज्यादा जिद्दी माना जाता है। रिसर्च की शुरुआत एनआईटी रायपुर की लैब में हुई। यहां वैज्ञानिकों ने देखा कि एचवीए का असर कैंडिडा एल्बिकंस नाम के फंगस और स्टैफिलोकोकस ऑरियस नाम के बैक्टीरिया पर कैसा पड़ता है। दोनों को एक साथ रखकर कई तरह के टेस्ट किए गए। इसके बाद एक खास सिस्टम में लगातार निगरानी रखी गई, ताकि यह देखा जा सके कि संक्रमण कैसे बढ़ता है और एचवीए उसे किस तरह रोकता है। जांच में पता चला कि यह प्राकृतिक पदार्थ संक्रमण की मजबूत परत बनने नहीं देता। इससे संक्रमण फैलाने की क्षमता काफी कम हो गई।

अब क्लिनिकल ट्रायल होगा

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस रिसर्च का इंसानों पर परीक्षण होना बाकी है। आगे इसमें क्लिनिकल ट्रायल होना है। यह रिसर्च आगे भी सफल रहा तो भविष्य में इसी प्राकृतिक पदार्थ से ऐसी नई दवा या जेल तैयार की जा सकती है, जो पुराने घाव, डायबिटीज के मरीजों के पैरों के जख्म, कैथेटर से होने वाले संक्रमण और अस्पतालों में होने वाले जिद्दी संक्रमण के इलाज में बड़ी मददगार साबित हो सकती है। इससे एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी नई उम्मीद जगी है। इस रिसर्च में रूंगटा यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग के प्रोफेसर डॉ. संजय गुप्ता, एनआईटी रायपुर से डॉ. प्रतिमा गुप्ता और डॉ. अनमोल कुलश्रेष्ठ ने यह रिसर्च पूरी की।

मेडिकल कॉलेज में हुई पुष्टि

जब लैब में अच्छे नतीजे मिले तो रिसर्च का अगला चरण रूंगटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च में पूरा किया गया। यहां एचवीए से तैयार जेल को संक्रमित घाव वाले चूहों पर लगाया गया। इलाज शुरू होने के बाद धीरे-धीरे सूजन कम होने लगी, संक्रमण घटा और 14 दिन के भीतर घाव तेजी से भरने लगे। नई त्वचा बनने के भी साफ संकेत मिले। इसके बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के विशेषज्ञों ने माइक्रोस्कोप से घाव की जांच की। इसमें भी पुष्टि हुई कि इलाज के बाद त्वचा तेजी से ठीक हो रही थी और संक्रमण पहले की तुलना में काफी कम हो गया था। रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने पूरे अध्ययन की योजना बनाने, नतीजों का विश्लेषण करने और रिसर्च को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस रिसर्च में यह भी सामने आया कि एचवीए फंगस और बैक्टीरिया की उस साझेदारी को तोड़ देता है, जिसकी वजह से संक्रमण लंबे समय तक बना रहता है।

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर ने भी की पुष्टि

एक साल में 50 कक्षाओं का कराया निर्माण, शिक्षा को मिला नया आधार

भिलाई। भिलाई राउंड टेबल ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और सराहनीय पहल करते हुए नारधा, दुर्ग स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में 8 नई कक्षाओं एवं बालक-बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण कराया है। शाला का हस्तांतरण सभी क्लब सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इन नए कक्षाओं के निर्माण से छात्रों को हो रही असुविधा दूर होगी और पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण भी मिलेगा। इसके अलावा क्लब की ओर से बच्चों को स्कूल बैग्स का भी वितरण किया गया। भिलाई राउंड टेबल पिछले 11 वर्षों से दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का कार्य कर रहा है।

अब तक विभिन्न स्कूलों में कुल 50 क्लासरूम का निर्माण कराया जा चुका है। इनमें बिरेभात, कोडिया, समोदा, कोसा नगर, बापू नगर, बासीन, ननकट्टी, धौर और बोरी के स्कूल शामिल हैं। सदस्यों ने बताया कि इन निर्माण कार्यों पर अब तक लगभग 2.6 करोड़ रुपये की लागत आई है। क्लासरूम के अलावा कई स्कूलों में टॉयलेट ब्लॉक भी बनवाए गए हैं। भिलाई राउंड टेबल 243 सिर्फ भवन निर्माण तक सीमित नहीं है। क्लब द्वारा स्कूली बच्चों की जरूरत की चीजों का भी लगातार योगदान किया जाता है। कभी खाना खाने के बर्तन, तो कभी बच्चों के जूते और मफलर, तो कभी वाटर फिल्टर जैसे संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। भिलाई राउंड टेबल 243 में भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के युवा उद्यमी, शिक्षाविद तथा समाजसेवी प्रमुख रूप से जुड़े हुए हैं। यह राउंड टेबल इंडिया का एक अभिन्न हिस्सा है जो निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्य कर रहा है।

नि:शुल्क जांच कर माहवारी और गर्भावस्था की दी जानकारी, स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

भिलाई। ज़क्रि-ए-शोहदा-ए-करबला मदरसा दारुल राहत आलिमा के द्वारा फरीद नगर में 9 दिवसीय तकरीर का आयोजन सीरते जहरा कॉन्फ्रेंस में किया गया। यहां खास तौर पर बिहार से आलिमा फ़ाज़लिा चांदनी और अलिमा फ़ाज़लिा नीलोफर ने करबला के शहीदों का बयान किया। तकरीर के दौरान फरीद नगर और आसपास की महिलाएं बड़ी तादाद में जुटी। तकरीर के बाद सिटी हेल्थ केयर मेडिकल ने यहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूजा सिंह ने अपनी निशुल्क सेवाएं दी। डॉ. पूजा ने शिविर में निशुल्क जांच करते हुए महिलाओं को सामान्य जांच और माहवारी व गर्भावस्था से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी। उन्होंने महिलाओं को खुद को स्वच्छ रखते हुए अपने घर-आंगन और मोहल्ले को भी साफ-सुथरा रखने की हिदायत दी। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संयोजक मोहम्मद सादिक ताजी ने बताया कि आगे भी यह सिलसिला अलग-अलग मौकों पर जारी रहेगा। इस दौरान कैम्प-1 साक्षरता चौक के सामने स्थित ताज दरबार नानी अम्मा की सदर हज्जन बदरुन्निसा ताजी ने सभी के लिए दुआएं की।

बीएसपी स्कूल स्तरीय काव्य पाठ एवं संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन सेक्टर-7 में

स्वामी विवेकानंद से सुषमा स्वराज तक की भाषण शैली को स्कूली बच्चों ने किया जीवंत, मिली सराहना

कार्नर न्यूज

***भिलाई।** बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 में काव्य पाठ और संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एस.पी के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ व्याख्याता लक्ष्मी नारायण दुबे ने स्वागत भाषण दिया। जिसके बाद हिंदी काव्य पाठ का आयोजन किया गया।*

यह रहे विजेता

अंत में विद्यालय की प्राचार्य उर्वशी साहू ने परिणामों की घोषणा की। जिसमें हिन्दी काव्य पाठ में प्रथम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से दिशा शुक्ला, द्वितीय भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से आर्या पाण्डेय और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 से डीबी द्राक्षा रही। इसी तरह हिन्दी अनुवाचन में प्रथम भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से रिया, द्वितीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से आराध्या गुप्ता और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 से आयुष्मान रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक डॉ. शीतल चंद्र शर्मा ने किया। आयोजन में वरिष्ठ व्याख्याता अनीता अशोक, नमिता देशपाण्डेय, शीबा थॉमस, श्रीदेवी दुर्गे, जयंत, पूजा उइके और जयदेव दीक्षित सहित शिक्षकगण उपस्थित थे। आभार व्यक्त डॉ. शर्मा ने दिया।

विद्यार्थियों ने किया काव्य पाठ

जिसमें सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 और भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों ने काव्य पाठ किया। काव्य पाठ के पश्चात संभाषण प्रतियोगिता में सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 7 के छात्र आयुष्मान सिंह ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म सम्मेलन के व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण दिया। एक अन्य छात्र ने पूर्व सांसद सुषमा स्वराज के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संसद में दिए भाषण को उसी शैली में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के निर्णायकगणों में बीएसपी के उप महाप्रबंधक (रावघाट) एवं कवि व लेखक यशवंत कुमार साहू ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने प्रस्तुतीकरण को और बेहतर करने प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दूसरे निर्णायक लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाक्रम और इतिहासबोध के प्रति जागरुक रहने के लिए प्रेरित किया।

सिटी इवेंट

समाज को जोड़ने का काम करती है कबीर की वाणी, हुआ दोहा पाठ

दुर्ग। ग्राम कुथरेल में मानिकपुरी पनिका समाज द्वारा सदगुरु संत कबीर साहेब प्रकटोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ललित चन्द्राकर थे। उन्होंने संत कबीर साहेब के तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर प्रकट उत्सव की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, सत्संग और कबीर वाणी का पाठ किया गया। साथ ही समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया गया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि सद्गुरु संत कबीर साहेब की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उन्होंने जाति-पाति, ऊंच-नीच और आडंबरों से ऊपर उठकर मानवता का संदेश दिया। कबीर की साखी और दोहे समाज को जोड़ने का काम करते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें सत्य, प्रेम और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। छत्तीसगढ़ की माटी संत कबीर की कर्मभूमि रही है। यहां की परंपरा में कबीरपंथ रचा-बसा है। राज्य सरकार भी संत परंपरा और समाज के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे कबीर के आदर्शों को जीवन में अपनाकर शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में जनपद सभापति लोमश चंद्राकर, पनिका समाज अध्यक्ष नरेन्द्र दास, महिला मोर्चा अध्यक्ष मनीषा मानिकपुरी, तामेश्वर दास, मनीष दास, चेतन दास, राम दास, पेमेन्द्र दास, झरना दास, चंद्राकर समाज अध्यक्ष डॉ. परमेश्वर चंद्राकर, देशमुख समाज अध्यक्ष गोविंद देशमुख सहित बड़ी संख्या में मानिकपुरी पनिका समाज, चंद्राकर समाज, देशमुख समाज और सर्व समाज के लोग उपस्थित थे।

संत कबीर के संदेश समाज में आज भी प्रासंगिक हैं

अहिवारा। श्री सद्गुरु कबीर प्राकट्य उत्सव का आयोजन श्री सद्गुरु कबीर अनुप साहू, अनुप बंजारे आश्रम, वार्ड -4 अहिवारा में कबीर पंथी समाज अहिवारा और एसकेडीवी मिशन तहसील अहिवारा के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल थे। अध्यक्षता नगर परिषद अहिवारा के अध्यक्ष विधानद कुशवाहा ने की। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविशंकर सिंह, राजिंदर सिंह, पार्षद अनुज साहू, पार्षद इंद्रजीत रोहन, पूर्व पार्षद अरुण बंजारे, रामकुमार धनकर, नगर साहू संघ के अध्यक्ष मनोज साहू, पूर्व पार्षद विदेशी साहू, पार्षद पुरुषोत्तम वर्मा, गुरुजी विक्रम साहू, खुमान सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल द्वारा सद्गुरु कबीर साहेब के ध्वजारोहण और माल्यार्पण के साथ हुआ। मंच संचालन लीलाधर महंत ने किया। सांसद विजय बघेल ने कहा कि इस वर्ष संत कबीर साहेब की 628वीं जयंती मनाई जा रही है। लगभग 600 वर्ष पूर्व संत कबीर ने जो संदेश समाज को दिए, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके प्रत्येक शब्द मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। नगर परिषद अध्यक्ष विधानद कुशवाहा ने कबीर साहेब की वाणी ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर का उल्लेख करते हुए कहा कि कबीर साहेब के विचार आज भी समाज को समरसता और समानता का संदेश देते हैं। उन्होंने अहिवारा के प्रमुख चौक का नाम कबीर चौक रखने का प्रस्ताव रखने की घोषणा की। साथ ही आश्रम परिसर में लगभग 20 लाख रुपए की लागत से डोम शेड निर्माण और पौधरोपण कराने की भी घोषणा की। रविशंकर ने कबीर साहेब के प्रसिद्ध दोहे एवं वचनों का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर आश्रम के पुजारी कुन्दन साहू, दुर्गादास दीवान, रामाधार साहू, बोधन साहेब, मनोज साहू, राजेश यादव, विक्रम सिंह, टिकाराम, देवकी साहू, पिगला बाई, नर्मदा साहू, सेवती, केशरी साहू, कल्याणी साहू, डेरहीन साहू, सुकृत दास, दुर्गेश साहू, रामबगस साहू, मनहरण, ऋषि मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में कबीर पंथी समाज के श्रद्धालु और नगरवासी उपस्थित थे।

● सेक्टर 6 मंदिर में 21 किलो पोड़ो-पीठा का लगाया भोग, 14 को नेत्रोत्सव और 16 को रथयात्रा

जय जगन्नाथ... देवस्नान के बाद गजराज वेश में भक्तों को दिए दर्शन, शाम को महाप्रभु पड़े बीमार

भिलाई। ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि के अवसर पर सोमवार को ट्विनसिटी के सभी जगन्नाथ मंदिरों में देवस्नान पूरे विधिविधान से संपन्न कराया गया। ओडिशा की तर्ज पर विधि-विधान से रथयात्रा उत्सव दो प्रमुख मंदिर सेक्टर-4 और सेक्टर-6 में मनाया जाता है। सेक्टर-4 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में इस वर्ष भी महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी के 57वें रथयात्रा महोत्सव 2026 की शुरुआत पारंपरिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ की गई है। रथयात्रा महोत्सव की पहली महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सोमवार को मंदिर परिसर में देवस्नान पूर्णिमा का भव्य आयोजन किया गया। पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के जय जगन्नाथ के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान रहा।

पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न हुआ देवस्नान व श्रृंगार

धार्मिक परंपरा के अनुसार महाप्रभु जगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलभद्र देव तथा बहन देवी सुभद्रा को पारंपरिक बाजे-गाजे के साथ पहंडी करते हुए गर्भगृह से देव स्नान मंडप पर लाया गया। इसके बाद मुख्य पुरोहित पितवास पाढ़ी के नेतृत्व में पुरोहित परितोष पाणिग्रही, रंजन महापात्र, रंजीत रथ, सुशांत सतपथी एवं सरोज दास द्वारा समस्त वैदिक विधि-विधान के साथ महाप्रभु का सुगंधित एवं दिव्य जड़ी-बूटियों से युक्त जल से महास्नान कराया गया। स्नान के उपरांत महाप्रभु का अलौकिक गजराज वेश (हाथी रूप) में भव्य श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

अणसर गृह में पधारे महाप्रभु, 14 जुलाई को होंगे नेत्र उत्सव पर दर्शन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अत्यधिक स्नान के कारण महाप्रभु बीमार ज्वर से पीड़ित हो गए हैं। स्नान पूर्णिमा के बाद महाप्रभु को स्वास्थ्य लाभ और विश्राम के लिए अणसर गृह में स्थापित कर दिया गया है। आज से लेकर आगामी 14 जुलाई तक मंदिर के पट आम दर्शनार्थियों के लिए पूरी तरह बंद रहेंगे। इस 15 दिनों की अवधि अनावसर काल के दौरान महाप्रभु को केवल विभिन्न जड़ी-बूटियों, काढ़े और दिव्य औषधियों का ही भोग लगाया जाएगा। 14 जुलाई को नेत्र उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद महाप्रभु स्वस्थ होकर पुनः भक्तों को दर्शन देंगे और मंदिर के पट आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे।

16 जुलाई को निकलेगी 57वीं भव्य रथयात्रा

श्री जगन्नाथ समिति के महासचिव सत्यवान नायक ने बताया कि सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाली यह रथ यात्रा भिलाई की सबसे पुरानी रथ यात्रा है। जगन्नाथ संस्कृति के इस सबसे बड़े महापर्व का मुख्य आकर्षण यानी भव्य रथयात्रा का आयोजन 16 जुलाई को दोपहर 2 बजे से किया जाएगा। आयोजन में समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सतपति, अनाम नाहक, वृंदावन स्वांई, डी त्रिनाथ, त्रिनाथ साहू, बसंत प्रधान, बीसी बिस्वाल, भीम स्वांई, हिमांशु शांति ने विशेष योगदान दिया।

21 किलो पोड़ो-पीठा का लगाया भोग

जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-6 में तीनों विग्रहों को मंत्रोच्चार के साथ गर्भ ग्रह से बाहर स्नान बेदी पर विराजित किया गया। जिसमें जगन्नाथ स्वामी को 35 बलभद्र देव को 33 और बहन सुभद्रा को 22 और सुदर्शन महाराज को 18 कलशों के जल से स्नान कराया गया। जगन्नाथ के जन्मोत्सव के अवसर पर हलवाई शयल्ल साहू एवं सन्यास साहू द्वारा 21 किलो का भव्य पोड़ो-पीठा का भोग लगाया गया। इस अवसर पर सेक्टर 6 जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी पं तुषार महापात्रा, अध्यक्ष दिलीप महंती, महासचिव अरुण पंडा, शरद विशाल, रविन्द्र साहू, शशिभूषण महंती, संजय साहू, सन्यास साहू, सुभाष साहू, जितेन्द्र भूइयां, संजीव भूइयां, हरि राउत, प्रभात त्रिपाठी, संतोष महाराणा, प्रशांत सामल, नीलमणी नायक रवि मुनी उपस्थित थे।

आदिवासी विकास परिषद दुर्ग शाखा की बैठक

जल जंगल जमीन और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई में साथ चलने का संकल्प

भिलाई। छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद दुर्ग शाखा द्वारा देवबलौदा में गोड़ समाज प्रमुखों के साथ सामाजिक चर्चा की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रकला तारम के नेतृत्व में हुई बैठक में परिषद के उद्देश्य और भावी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। समाज प्रमुखों ने आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन, संस्कृति एवं संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई में परिषद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लिया।

- देवबलौदा में गोड़ समाज के साथ आदिवासी विकास परिषद की सामाजिक चर्चा

चर्चा के दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद के उद्देश्य एवं भावी कार्ययोजना से देवबलौदा के समाज प्रमुखों को विस्तार से अवगत कराया। परिषद ने आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी। इस अवसर पर देवबलौदा के समाज प्रमुखों ने स्थानीय क्षेत्र की वर्तमान स्थिति एवं आदिवासी समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से परिषद को अवगत कराया। प्रमुखों ने कहा कि जल-जंगल-जमीन, संस्कृति एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा आज सबसे बड़ी जरुरत है।

सभी समाज प्रमुखों ने इन अधिकारों की लड़ाई में परिषद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प व्यक्त किया। चर्चा में देवबलौदा समाज प्रमुख अध्यक्ष अनुसुइया मरकाम, लक्ष्मी ध्रुव, महेश्वरी ध्रुव, उषा ठाकुर, रामेश्वरी ठाकुर, गंगा राज एवं संदीप ठाकुर उपस्थित रहे। परिषद से जिलाध्यक्ष चन्द्रभान सिंह ठाकुर, महिला जिलाध्यक्ष दिनेश्वरी भुआर्य और त्रिवेणी ठाकुर शामिल हुए।

जागरूकता

मेधावी बच्चों को सम्मानित करेगा इकरा

भिलाई। अंचल के शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के संगठन इकरा टीचर्स एसोसिएशन लगातार 16 वें वर्ष भी मेधावी बच्चों का सम्मान समारोह आयोजित करने जा रहा है। एसोसिएशन की ओर अजमतुल्लाह खान ने बताया कि वर्ष 2025-26 में दसवीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के बच्चों का जुलाई में आयोजित भव्य समारोह में सम्मान किया जाएगा। इसके लिए अभिभावक अपने बच्चों के मार्कशीट की छाया प्रति के पीछे मोबाइल नंबर के साथ जामा मस्जिद सेक्टर 6 के इमाम व मुअज्जिन के पास अथवा भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के कार्यालय में 7 जुलाई तक जमा करवा सकते हैं।

सेलून के रेट बढ़ाने पर आज होगी बैठक, जुटेंगे कारोबारी

भिलाई। बढ़ती महंगाई को देखते हुए सर्व सेन समाज एवं सेलून संघ ने सेलून और ब्यूटी पार्लर के रेट बढ़ाने का फैसला लिया है। पिछले 10 साल से रेट जस के तस हैं, जबकि हर सामान के दाम बढ़ गए हैं। मौजूदा दर पर दुकान चलाना मुश्किल हो रहा है। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई गई है। सर्व नाई सेन समाज भिलाई के अध्यक्ष नीलकंठ श्रीवास और प्रभारी बालेश्वर सेन ने बताया कि बैठक 30 जून को दोपहर 12 बजे सेन चौक, नेहरू नगर भिलाई में होगी। इसमें शहर के सभी सेलून और ब्यूटी पार्लर संचालक शामिल होंगे। बैठक में नई रेट लिस्ट पर चर्चा कर एक निश्चित दर तय की जाएगी। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि शेविंग क्रीम, ब्लेड, शैंपू, बिजली बिल और दुकान किराया सब कुछ महंगा हो गया है। लेकिन ग्राहकों से लिया जाने वाला रेट 10 साल पहले वाला ही चल रहा है। इससे कारीगरों का गुजर-बसर मुश्किल हो रहा है। काफी समय से रेट बढ़ाने की मांग की जा रही थी। बैठक में पूरे शहर के लिए एक समान रेट लिस्ट तैयार की जाएगी।

स्पोर्ट्स लाइव

स्ट्रेंथ लिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में खिलाड़ियों ने जीते दो मेडल

भिलाई। वेस्ट जोन नेशनल स्ट्रेंथ लिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में फिटनेस किंग जिम के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए दो मेडल जीतकर दुर्ग जिले का मान बढ़ाया। दल्ली राजहरा में 19 से 21 जून तक आयोजित वेस्ट जोन नेशनल स्ट्रेंथ लिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में जूनियर वर्ग में बलजीत सिंह ने सिल्वर मेडल और सीनियर वर्ग में शोभम घोष ने सिल्वर मेडल जीता। दोनों खिलाड़ी कई महीनों से फिटनेस किंग जिम में कोच धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में अभ्यास करते आ रहे है जो कि स्वयं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। खिलाड़ियों को कोच धर्मवीर सिंह खुद 3 घंटे का अभ्यास करवाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भविष्य में उनके तैयार किए हुए सभी खिलाड़ी इससे भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों की जीत पर डॉ दर्शन सिंह, फतेहवीर सिंह, अशोक देवांगन, सतीश पटले, लक्ष्मी साहू और सिमरजीत कौर ने हर्ष जताया है और सभी खिलाड़ियों के अच्छे भविष्य की कामना की है।

- जूनियर और सीनियर वर्ग में मिला सिल्वर मेडल

योग, बैडमिंटन और टीम स्पिरिट का संगम बनी जेसीआई स्मैश लीग 2026

118 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, विजेताओं को मिला सम्मान, दिया फिटनेस का संदेश

कार्नर न्यूज

भिलाई। जेसीआई दुर्ग-भिलाई द्वारा आयोजित जेसीआई स्मैश लीग 2026 खेल, स्वास्थ्य और आपसी जुड़ाव का बेहतरीन संगम बनी। सामूहिक योगाभ्यास से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में 118 सदस्यों ने बैडमिंटन के विभिन्न वर्गों में दम दिखाया। आयोजन का उद्देश्य सदस्यों में खेल भावना, नेतृत्व और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया। समापन पर आलोक अग्रवाल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। जेसीआई दुर्ग-भिलाई चैप्टर द्वारा जेसीआई स्मैश लीग 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक योगाभ्यास से हुई, जिसमें सभी सदस्यों एवं प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि खेल के साथ-साथ योग को भी जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है, क्योंकि योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली का मजबूत आधार है। सचिव तोरण अटल ने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजन टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। खेल भावना, उत्साह और टीम स्पिरिट से भरपूर इस प्रतियोगिता में कुल 118 प्रतिभागियों ने सहभागिता निभाई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सदस्यों एवं प्रतिभागियों के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाना, स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता लाना एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

जूंबा सत्र ने किया ऊर्जा का संचार

कार्यक्रम में मेंटोर पास्ट प्रेसिडेंट मोनिश अग्रवाल, हिमांशु देवांगन, डायरेक्टर प्रखर पारख एवं जेसी नितिन अग्रवाल ने टीम लक्ष्य को मजबूती प्रदान करते हुए अहम भूमिका निभाई। नितिन अग्रवाल द्वारा आयोजित जुंबा सत्र ने प्रतिभागियों में नई ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के संचालन में प्रोग्राम डायरेक्टर्स राकेश मलघानी, देवेश पुरोहित, अंकित शाह, अनिल रंजन एवं नितिशा मोदी का सहयोग रहा।

यह रहे विजेता

मेंस कैटेगरी में विजेता देवेश पुरोहित, जेसी रचित रावलानी। रनरअप पास्ट प्रेसिडेंट जेसी प्रणय महेश्वरी एवं अर्पित पिंचा। लेडी जेसी कैटेगरी विजेता स्वाति अटल एवं रचना अग्रवाल। रनरअप डॉ. जेसी कुमकुम डे एवं प्रियंका चौबे। जूनियर वर्ग अंडर-8 में विजेता शिक्षा सिन्हा और रनरअप जूनियर जेसी जान्विका रहीं। अंडर-16 गर्ल्स में विजेता जूनियर जेसी वृंदा अग्रवाल और रनरअप एनाया अग्रवाल रहीं। अंडर-16 बॉयज में विजेता आरिश कटारिया और रनरअप विशेष मलघानी रहे। अंडर-12 बॉयज में विजेता जूनियर जेसी वेदांश माहेश्वरी और रनरअप अयंश अग्रवाल रहे। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर आईपीपी जेसी आलोक अग्रवाल ने विभिन्न वर्गों के विजेताओं एवं रनरअप प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभागियों के उत्साह, खेल भावना एवं शानदार प्रदर्शन की सराहना की। जनसंपर्क अधिकारी जेसी ट्विंकल खेमुका पारख ने बताया कि जेसीआई दुर्ग-भिलाई द्वारा इस प्रकार के खेल एवं सहभागिता आधारित कार्यक्रम सदस्यों एवं युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आपसी संबंध एवं सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर आयोजित किए जाते है।

सिटी स्पोर्ट्स

29 जून से 5 जुलाई तक ऐसा रहेगा 1 से 9 मूलांक का समय

इस सप्ताह यानी 29 जून से लेकर 5 जुलाई का यह सप्ताह ग्रहों की चाल के लिहाज से बेहद हलचल भरा और महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस सप्ताह कई मूलांक वालों को करियर में नई उड़ान देखने को मिलेगी, तो कुछ को अपने खर्चों और जुबान पर कंट्रोल रखना होगा। आइए जानते हैं अंक शास्त्र के अनुसार, मूलांक 1 से लेकर 9 तक के जातकों के लिए यह सप्ताह कैसा रहने वाला है

मूलांक-1: इस अंक के जातक 5 जुलाई तक ज्यादा स्ट्रेस न लें। आपको दृष्टिकोण में हमेशा सकारात्मक बने रहना चाहिए। रिश्ते के मुद्दों को पॉजिटिव तरीके से सुलझाएं। कोई बड़ी वित्तीय समस्या नहीं है। उत्पादकता से जुड़े मुद्दे पेशेवर जीवन पर असर नहीं डालेंगे।

मूलांक-2: यह सप्ताह पैसों के मामलें में वृद्धि और करियर में उन्नति के अवसर प्रदान करता है। कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के लिए तैयार रहें, जो आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। लव के मामलें में दिल की नहीं बल्कि दिमाग की सुनें।

मूलांक-3: इस सप्ताह में प्रॉब्लम सॉल्व करने की कला पर फोकस रखें। अपने कार्यक्षेत्र में सफलता के प्रति क्लियर रहें। व्यावसायिक चुनौतियों से मेहनत से निपटें। कोई वित्तीय समस्या नहीं रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहने वाला है।

मूलांक-4: इस सप्ताह में आपकी धन की स्थिति स्मार्ट मौद्रिक निवेश योजनाओं की अनुमति देती है। आपका स्वास्थ्य भी कोई तकलीफ नहीं देगा। आप क्रिएटिव फील कर सकते हैं।

मूलांक-5: इस सप्ताह में लव लाइफ में एक दूसरे के बीच के मतभेद दूर करें। याद रखें आप काम के प्रेशर को ऐसे संभाल सकते हैं, जैसे कोई नहीं संभालता। प्रेम के मामले में रोमांटिक रहें। आपका प्रेम जीवन मजबूत और पेशेवर जीवन रचनात्मक रहेगा।

मूलांक-6: माह के पहले सप्ताह में आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना होगा। हेल्दी डाइट लें और स्ट्रेस को बाय-बाय कहें। ये सप्ताह आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। टास्क में भी उत्तम परिणाम दें। स्मार्ट निवेश करने के लिए आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य भी ठीक है।

मूलांक-7: 29 जून से लेकर 5 जुलाई के सप्ताह में ऐसी एक्टिविटी करें, जो आपको खुश और कॉन्फिडेंट बनाती है। आपकी आनंदमय ऊर्जा को बढ़ाने और उन लोगों को आकर्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है, जो आपके जैसा ही महसूस करते हैं। ब्रह्मांड के डीसीजन में अपना विश्वास रखें।

मूलांक-8: यह सप्ताह आपके लिए चुनौतियों और अवसरों का मिश्रण लेकर आया है। आपका पॉजिटिव रवैया दिन को सफलता के साथ पार करने और व्यक्तिगत विकास के द्वार खोलने में महत्वपूर्ण होगा। साहस और उत्साह के साथ दिन का आनंद उठाएं।

मूलांक-9: आने वाले सप्ताह में अपने रोज के कार्यक्रम से कुछ समय निकालें और कुछ ऐसा करें, जो आप हमेशा से करना चाहते थे। आपका अच्छा मूड होगा और यह उन लोगों को आकर्षित करेगा, जो कनेक्शन बनाने के लिए तैयार हैं।

16 जुलाई से इन राशियों की चमक सकती है किस्मत

आगामी 16 जुलाई को सूर्य मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। वैदिक ज्योतिष के अनुसार इस गोचर का असर सभी 12 राशियों पर पड़ेगा। हालांकि वृषभ, कर्क, कन्या, तुला और मकर राशि के जातकों को करियर, कारोबार, धन और मान-सम्मान के मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के लोगों के लिए यह गोचर शुभ माना जा रहा है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। अगर लंबे समय से प्रमोशन या वेतन बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं तो अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार में भी लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कर्क राशि : सूर्य का गोचर आपकी ही राशि में होने जा रहा है। ऐसे में आत्मविश्वास बढ़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। नए काम की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है। समाज में मान-सम्मान बढ़ने के भी संकेत हैं। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है।

कन्या राशि : कन्या राशि के लोगों के लिए यह समय लाभदायक साबित हो सकता है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। कारोबार में अच्छे अवसर मिलेंगे। किसी पुराने निवेश से भी फायदा हो सकता है। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए भी समय अच्छा माना जा रहा है।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को करियर में आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में नए समझौते हो सकते हैं। अगर नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल रह सकता है।

मकर राशि : मकर राशि वालों के लिए सूर्य का यह गोचर सकारात्मक परिणाम दे सकता है। नौकरी और कारोबार दोनों में प्रगति के योग बन रहे हैं। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और मानसिक तनाव भी कम हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर बढ़ा रहे छोटी उम्र में टेंशन

हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचना है तो छोटी उम्र से ही गांठ बांध लीजिए कुछ जरूरी बातें

हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना जरूरी है। लोग अक्सर जानना चाहते हैं कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

दरअसल, हृदय रोग की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। हाल के वर्षों में 30 से कम आयु वालों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले काफी बढ़ गए हैं। हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है। क्या आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित है?

कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही अक्सर दिल की बीमारियों का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल वास्तव में इतना भी बुरा नहीं है? वास्तव में, यह शरीर की कोशिकाओं की बनावट, हार्मोन्स के निर्माण और पाचन में जरूरी भूमिका निभाता है। समस्या तब होती है जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है और गुड कोलेस्ट्रॉल की घट जाती है। अब आपके मन में भी सवाल आ रहा होगा कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण होने वाली समस्याएं: हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही अगर जीवनशैली में सुधार कर लिया जाए तो

बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचा जा सकता है। यूएस स्थित कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एड्रियाना क्विनोनेस-कैमाचो कहती हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल वर्षों से आपकी धमनियों की दीवारों में जमा होता है। प्लाक के निर्माण करके धमनियों को संकरा और सख्त कर देता है, जिससे हृदय रोग, दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में आपके खराब आहार और गड़बड़ जीवनशैली की मुख्य भूमिका होती है। जो लोग संतृप्त और ट्रांस फैट वाली चीजें अधिक खाते हैं, गतिहीन जीवनशैली जीते हैं, अत्यधिक धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, मोटापा या मधुमेह जैसी बीमारियों का शिकार हैं उनमें ये दिक्कत अधिक देखी जाती है। इसका मतलब है कि अगर कम उम्र से ही इनमें सुधार कर लिया जाए तो कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के खतरे से बचा जा सकता है।

खान-पान में बदलाव जरूरी

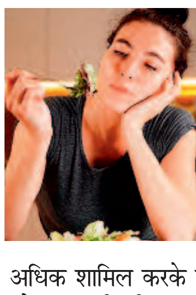

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशियन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, डाइटरी फाइबर वाली चीजों को आहार में अधिक से अधिक शामिल करके बैड कोलेस्ट्रॉल को 5-10 फीसदी तक कम कर सकता है। दलिया, साबुत अनाज, सेब और बीन्स का सेवन बढ़ाने से आपको लाभ मिल सकता है।

ट्रांस फैट से बचें और ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा बढ़ाएं

बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचे रहने का एक फार्मूला ये भी है कि आहार में ट्रांस फैट वाली चीजें जैसे बेकरी आइटम्स, फ्राई चीजों की मात्रा कम कर दें। इस तरह के खाद्य पदार्थ भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

हार्वड मेडिकल स्कूल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजों को अपने आहार में शामिल करने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। अखरोट, अलसी के बीज, मछली और एवोकाडो आदि को आहार का हिस्सा बनाएं।

इन उपायों पर भी देते रहें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल की समस्या कोई अचानक आने वाली बीमारी नहीं है, यह वर्षों तक चुपचाप शरीर में बढ़ती है। लेकिन यदि हम आज से ही अपने खानपान, व्यायाम, सोच और आदतों में बदलाव लाएं तो न केवल हम कोलेस्ट्रॉल से बल्कि उससे जुड़ी हृदय संबंधी बीमारियों से भी सुरक्षित रह सकते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल से बचाव के लिए लाइफस्टाइल में कुछ और सुधार करना जरूरी है। रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट को सीमित करें। इसकी जगह अंडे के सफेद भाग, टोफू और दालों का सेवन अधिक से अधिक करें। सक्रिय जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम करें। एरोबिक व्यायाम को कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल रखने वाला पाया गया है। हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, लगातार तनाव में रहने से भी कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है। स्ट्रेस को कंट्रोल करने वाले तरीकों पर भी ध्यान देना जरूरी है।

वास्तु के अनुसार होना चाहिए पूजा घर

पूजा घर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जीवन में संतुलन और समृद्धि का माध्यम भी है। इसलिए पूजा घर बनवाते समय वास्तु से जुड़ी कुछ आवश्यक बातों का ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है।

पूजा घर की शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूजा घर के लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) होती है। यह दिशा भगवान शिव और जल तत्व से संबंधित मानी गई है, जिससे पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि यह दिशा उपलब्ध न हो, तो पूर्व दिशा को दूसरा सर्वोत्तम विकल्प माना जाता है। पूजा करते समय व्यक्ति का मुख भी पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए, इससे साधना में एकाग्रता आती है और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

पूजा घर का स्थान और संरचना

पूजा घर को कभी भी शौचालय, बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए। यह स्थान शांत, स्वच्छ और ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। यदि घर छोटा है, तो ड्राइंग रूम के उत्तर-पूर्व कोने को पूजा के लिए चुना जा सकता है। मंदिर को हमेशा जमीन से कुछ ऊंचाई पर रखें और उसके नीचे किसी भी प्रकार का सामान स्टोर न करें। मंदिर की दीवार पर लकड़ी की पीठ या प्लेटफार्म लगाया जा सकता है।

मूर्तियों की व्यवस्था

मंदिर में स्थापित मूर्तियां 9 इंच से अधिक ऊंची नहीं होनी चाहिए और उन्हें दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि पीछे की ओर हवा का प्रवाह बना

रहे। खंडित या टूटी हुई मूर्तियों को तुरंत मंदिर से हटा देना चाहिए क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं। भगवान की मूर्तियों की संख्या भी सीमित होनी चाहिए। एक ही देवता की कई मूर्तियों को एकसाथ न रखें।

मंदिर का रंग और सजावट

पूजा घर के रंग हल्के और शुभ होने चाहिए, जैसे कि सफेद, हल्का पीला, गुलाबी या क्रीम। गहरे या काले रंगों से बचना चाहिए क्योंकि ये मन और वातावरण पर भारी प्रभाव डालते हैं। मंदिर में धूपबत्ती, दीपक, शंख और घंटी की व्यवस्था अवश्य करें। रोजाना दीपक जलाने और सुगंधित धूप लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

पूजा घर से जुड़ी कुछ सावधानियां

मंदिर को रसोईघर या शयनकक्ष में न बनाएं। यदि जगह की कमी के कारण ऐसा करना पड़े, तो मंदिर को लकड़ी की अलमारी में बनाकर उसे पर्दे से ढक सकते हैं। पूजा स्थान में कभी भी जूते-चप्पल लेकर न जाएं और वहां मोबाइल फोन या अन्य ध्यान भटकाने वाली वस्तुएं न रखें। पूजा घर को हमेशा स्वच्छ और सुगंधित बनाए रखें।

जुलाई में केतु का होगा नक्षत्र परिवर्तन तीन राशियों की सुधरेगी आर्थिक स्थिति

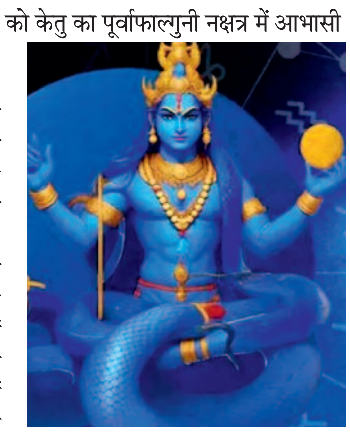

अगले महीने 6 जुलाई को केतु का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में आभासी प्रवेश होगा, जो 20 जुलाई को पूर्ण होगा। इस गोचर से तीन राशियों का भाग्य जागेगा और उन्हें विशेष धन लाभ के अवसर मिलेंगे। 6 जुलाई को दोपहर 1:32 बजे केतु पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में आभासी रूप से प्रवेश करेगा और इसका पूर्ण गोचर 20 जुलाई को दोपहर 2:10 बजे होगा। केतु के इस नक्षत्र परिवर्तन से तीन राशियों के लिए सौभाग्य के द्वार खुल सकते हैं।

वृषभ राशि: केतु का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर वृषभ राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहेगा। इस दौरान आपकी रचनात्मक सोच और नेतृत्व कौशल को खूब बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और पुराने अधूरे काम पूरे होने के आसार हैं।

तुला राशि: तुला राशि के जातकों के लिए यह गोचर मानसिक स्पष्टता और संतुलन लेकर आएगा। आपकी निर्णय क्षमता बेहतर होगी और आप अपने लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या वेतन वृद्धि का अवसर मिल सकता है, जबकि व्यवसाय में पुराने अटके काम से लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों के लिए यह गोचर आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक उन्नति का समय होगा। आपकी अंतरात्मा की आवाज़ प्रबल होगी और सही निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होगी। कला, लेखन, संगीत या आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े लोग इस अवधि में खास पहचान और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

'प्रोसेस्ड फूड' को लेकर दीवानगी ठीक नहीं, इन्हें सीमित मात्रा में लेना ठीक

अधिकतर प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे होते हैं जो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं, लेकिन कुछ प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे भी होते हैं जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो वो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रोसेस्ड फूड बहुत से लोगों के जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। नूडल्स, चिप्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट भोजन अपनी सुविधा के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। बेशक ये फूड्स हमारा समय बचाते हैं, लेकिन इसको लेकर कुछ लोगों के मन में अक्सर ये सवाल रहता है कि क्या प्रोसेस्ड फूड वाकई हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि प्रोसेस्ड फूड होता क्या है? यह भी जानना जरूरी है कि सभी प्रोसेस्ड फूड एक जैसे नहीं होते हैं। प्रोसेस्ड फूड की दुनिया काफी जटिल है, कुछ ऐसे हैं जिनसे पूरी तरह से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट मौजूद होता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें सीमित मात्रा में या सही चुनाव के साथ अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए, प्रोसेस्ड फूड के बारे में विस्तार से जानते हैं, साथ ही उनके संभावित नुकसानों और उनसे बचने या सुरक्षित विकल्पों को चुनने के बारे में भी जानेंगे।

प्रोसेस्ड फूड क्या है?

प्रोसेस्ड फूड वह खाद्य पदार्थ है, जिसे स्वाद, शेल्फ-लाइफ, या सुविधा के लिए रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। इसमें फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद फल, और चिप्स जैसे स्नैक्स शामिल हैं। हालांकि, सभी प्रोसेस्ड फूड हानिकारक नहीं होते। उदाहरण के लिए, फ्रोजन मटर या पाश्चुरीकृत दूध न्यूनतम प्रोसेसिंग के साथ पौष्टिक हो सकते हैं। लेकिन अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड, जैसे कि चीनी युक्त पेय, पैकेज्ड स्नैक्स, और रेडी-मेड भोजन, सामान्यतौर पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

हानिकारक प्रोसेस्ड फूड और उनके खतरे

अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, ट्रांस फैट, और कृत्रिम रसायन जैसे प्रिजर्वेटिव्स और रंग अधिक मात्रा में होते हैं। इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, बर्गर, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का नियमित सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाता है। इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी अधिक होती है, जिससे पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है।

किन प्रोसेस्ड फूड से बचें?

कुछ प्रोसेस्ड फूड ऐसे हैं जिनसे हमें पूरी तरह से दूर रहना चाहिए? इनमें मीठे सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स, और चिप्स-कुकीज जैसे ट्रांस फैट वाले स्नैक्स आते हैं। आर्टिफिशियल स्वाद वाले रेडी-टू-ईट भोजन भी इसी लिस्ट में हैं। इन चीजों में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और ज्यादा नमक आपकी सेहत बिगाड़ सकते हैं, ये मसूड़ों की बीमारी, मोटापा और हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकते हैं।

सुरक्षित प्रोसेस्ड फूड और सीमित सेवन

अब ऐसा नहीं है कि सारे प्रोसेस्ड फूड खराब होते हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं जिनकी प्रोसेसिंग बहुत कम होती है, जैसे कि फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद दालें या पाश्चुरीकृत दही। अगर इन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो ये सेहत के लिए ज्यादा नुकसानदायक नहीं होते हैं, बस, एक बात का ध्यान रखें कि इनमें अधिक नमक या चीनी न मिली हो।

कार्नर न्यूज

स्कूल में बच्चे का टिफिन हो सबसे अलग

स्कूली बच्चों का टिफिन होना चाहिए अलग हट कर, फूड आइटम में भी नजर आनी चाहिए सुपरमॉम की क्रिएटिविटी

इन दिनों ज्यादातर बच्चों के स्कूल खुल चुके हैं या फिर एक जुलाई से खुलेंगे। अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर माता-पिता ज्यादातर उत्साहित रहते हैं। खासतौर पर हर मां की सबसे बड़ी चिंता होती है कि वो हर रोज उन्हें टिफिन में ऐसा क्या दें, जो पूरा खत्म होकर वापस आए। क्योंकि बच्चों में खाने को लेकर काफी नखरे होते हैं। हर सुबह इसी बात की चिक-चिक होती है कि आज टिफिन में क्या जाएगा। आपकी इसी समस्या का हल लेकर कुछ ऐसी रेसिपी के बारे में यहां जानकारी, जो बच्चों के लिए बेहद जायकेदार है और जिसे बनाना भी काफी आसान है।

वेजिटेबल पराठा रोल

बच्चों को साधारण सब्जी पराठा देंगे तो उन्हें वो पसंद नहीं आएगा। ऐसे में उनके टिफिन में स्वादिष्ट सा वेजिटेबल पराठा रोल बनाकर पैक करें। इसके लिए गेंहू के आटे से बने पराठे में प्याज, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी और पनीर के की स्टफिंग करें। इसके अंदर टोमेटो कैचअप और मियोनीज भी एड करें, ताकि आसका स्वाद बढ़ जाए। इसे टिफिन में देंगे तो बच्चे पूरा टिफिन चट करके आएंगे।

पनीर पराठा

बच्चे के टिफिन में साधारण पराठा रखने की बजाय पनीर से भरा पराठा बनाकर तैयार करें। ये पराठा काफी स्वादिष्ट होता है। इसे बच्चे काफी चाव से खाते है। इसलिए अपने बच्चे को अचार के साथ पनीर पराठा टिफिन में दें, ताकि वो इसे मन से खा सकें।

सूजी उत्तपम

गर्मी के मौसम में ऐसी चीजें ही टिफिन में रखनी चाहिए, जो खाने में हल्की हो। ऐसे में सूजी उत्तपम एक बेहतर विकल्प है। सूजी, दही और बारीक कटी सब्जियों से बने छोटे-छोटे उत्तपम आपके बच्चे को काफी पसंद आएंगे। इसे पैक करते समय उसके साथ कैचअप अवश्य रखें, ताकि बच्चे उत्तपम को चाव से खा सकें।

फ्राइड राइस

अगर आपके बच्चे को फ्राइड राइस पसंद है तो टिफिन में उनके लिए फ्राइड राइस तैयार करें। इस फ्राइड राइस को तैयार करने में ढेर सारी सब्जियों का इस्तेमाल करें, ताकि इसका स्वाद कई गुना बढ़ सके। यदि आप ब्राउन राइस तैयार करेंगी तो ये एक हेल्दी विकल्प भी रहेगा।

मिनी इडली

अपने छोटे बच्चे के लिए साधारण इडली बनाने की जगह सूजी से बनी मिनी इडली तैयार करें। सूजी से बनी स्टीम इडली बच्चों के लिए हल्की और हेल्दी होती है। इसे आप फ्राई करके भी टिफिन में रख सकती हैं। फ्राइड इडली बच्चों को काफी पसंद आती है।

मूंग दाल चीला

कुछ हेल्दी विकल्प तलाश कर रही हैं तो मूंग दाल चीला से बेहतर कुछ हो नहीं सकता। दरअसल, मूंग दाल को पीसकर सब्जियों के साथ बना चीला, जो प्रोटीन और टेस्ट दोनों देता है। इसलिए टिफिन में आप ये भी दे सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सिंगर हैरी का लाइव कॉन्सर्ट में गला चोक, स्टेज पर गिर पड़े

'वॉटरमेलन शुगर' फेम ब्रिटिश सिंगर हैरी स्टाइल्स के साथ वेम्बली स्टेडियम में कुछ ऐसा हुआ, जिसने एक पल के लिए उनके लाखों-करोड़ों फैंस की धड़कन रोक दी। हैरी अपनी लाइव परफॉर्मेंस दे रहे थे, जहां अचानक गाने के बीच में पानी पीते ही उनका गला चोक हो गया। पानी उनके गले में अटक गया, चोकिंग की वजह से वह स्टेज पर गिर पड़े। इस कारण शो कुछ देर के लिए बीच में रुक गया। वहां मौजूद दर्शक यह सब देख परेशान हो गए, जबकि अब इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियोज को देख फैंस भी चिंता में पड़ गए हैं। हालांकि, 32 साल के सिंगर की हालत कुछ मिनटों में ठीक हो गई और उन्होंने वापस परफॉर्मेंस देना शुरू कर दिया। हैरी स्टाइल्स के साथ यह घटना 26 जून के शो में हुई है। वेम्बली स्टेडियम में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बीच हजारों की संख्या में फैंस मौजूद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिंगर दर्शकों से बातचीत कर रहे थे, तभी उन्हें गले में कुछ अटकने जैसा महसूस हुआ। उन्होंने पानी की बोतल उठाई और एक घूंट पिया, लेकिन इसके बाद उनकी हालत और खराब हो गई। दम घुटने लगा। वह वहीं स्टेज पर लेट गए। हालांकि, हैरी ने जल्द ही खुद को संभाला और परफॉर्मेंस जारी रखी। जब सिंगर स्टेज पर ठीक हो रहे थे, तब क्रू मेंबर्स और ऑन-साइट सपोर्ट टीम को तुरंत मदद करते हुए देखा गया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

टॉलीवुड

50 साल की बेटी को नहीं पता कौन है अपनी मां! अजब श्रुति की गजब कहानी

साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा 50 साल की है। 150 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी हैं। दो बार राज्य फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हैं। लेकिन, उनकी जिंदगी की एक दिलचस्प बात यह है कि वह दो मां की संतान हैं। जी हां, उनके पिता ने जुड़वा बहनों से शादी की थी। श्रुति को आजतक नहीं पता कि उनकी असली मां कौन हैं। असल जिंदगी की कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो फिल्मों जैसी लगती हैं। लेकिन कल्पनाओं से परे, साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा का असल जीवन ऐसा है, जिसके बारे में जानकर एकबारगी आपको भी हैरानी होगी। वह 50 साल की हैं। 36 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। श्रुति एक अनूठे परिवार का हिस्सा हैं, जहां उनकी दो मां हैं। वह कहती हैं कि उन्हें या उनके भाई-बहनों को कभी यह जानने की जरूरत महसूस नहीं हुई कि उनकी बायोलॉजिकल मां कौन हैं। दरअसल, श्रुति के पिता ने जुड़वा बहनों से शादी की। दो बीवियों से तीन संतान प्राप्त हुए। लेकिन, इसी के साथ एक फैसला लिया गया। कभी किसी को नहीं बताना है कि कौन किस मां की औलाद है। नतीजा, आज तीन बच्चों, दो मां और एक पिता का यह परिवार राज़ी-खुशी रहता है। श्रुति कृष्णा 'बिग बॉस कन्नड़' सीजन 3 की विनर रही हैं। वह बीते दिनों 'सूर्याः द पावर ऑफ लव' और 'मजेस्टिक 2' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। श्रुति का नाम पहले गिरिजा था। जन्म के वक्त परिवार ने उन्हें यही पहचान दी। उनका परिवार थिएटर से जुड़ा हुआ है।

भोजपुरी

पहले लोग मुझे नकारते थे, 34 साल बाद मेरे बदले हैं हालात : रवि किशन

एक्टर-नेता रवि किशन अभी रियलिटी शो 'अलायंस' का हिस्सा हैं, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी रिवा किशन के साथ हिस्सा लिया है। कुणाल खेमू के होस्ट किए गए इस शो को हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया। पहले एपिसोड में, रवि को फिल्म इंडस्ट्री में

सालों तक मिले रिजेक्शन को याद करते हुए देखा गया और बताया गया कि कैसे 34 साल बाद उन्हें सफलता मिली। यह बताते हुए कि 34 साल बाद हालात कैसे बदल गए, रवि किशन ने कहा, 'उस साल मैंने 'बेस्ट एक्टर' के सभी अवॉर्ड जीते। मैं उन सभी मंचों पर गया जहां लोग मुझे कभी नहीं बुलाते थे। उन्होंने हमेशा मुझे ठुकराया था। किसी को यकीन नहीं था कि मैं कभी कुछ हासिल कर पाऊंगा।' रवि किशन के करियर का यह दौर बहुत शानदार चल रहा है और उनके हालिया काम की काफी तारीफ हो रही है। किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' में उनके रोल के लिए क्रिटिक्स और लोगों, दोनों ने उनकी काफी तारीफ की। वहीं वेब सीरीज 'मामला लीगल है' में भी उनके काम को पसंद किया गया। उन्हें 'मां बहन' और 'भाभीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में भी देखा गया। उन्होंने बताया कि 90 के दशक में जब इंडस्ट्री में नए-नए स्टार्स आ रहे थे, तब पूरी तरह तैयार और ट्रेंड होने के बावजूद उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने माना कि इस दौर में उन्हें लगा कि वह पीछे छूट गए हैं, फिर भी उन्हें भरोसा था कि उनका समय भी जरूर आएगा। कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए रवि किशन ने इंडस्ट्री में अपने लंबे और मुश्किल सफर के बारे में खुलकर बताया।

1.8 लाख रुपए की ड्रेस पहनकर पहुंचीं प्रियंका

ग्लोबल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने कान लायंस इवेंट के लिए उन्होंने सिल्विया चेरासी की कलर-ब्लॉक्ड हॉल्टर ड्रेस पहनी। इसकी कीमत 1,80,900 रुपए थी। इटैलियन फैब्रिक से बनी इस मैक्सी ड्रेस का कॉलम सिल्हूट इसे एक स्टाइलिश लुक दे रहा था। पीछे की तरफ टाई डिटेलिंग वाली हॉल्टर नेकलाइन ने एक्ट्रेस के लुक को और भी शानदार बना दिया। ड्रेस के साथ फ्रेडा साल्वाडोर लेदर थोंग सैंडल, साथ ही पिंक नेकलेस और रोलेक्स डे-डेट 40 चॉकलेट डायल घड़ी पहनीं।

पहली बार हेयर कलर कराने जा रहें हैं तो ध्यान रखें इन बातों का

आज के समय में हेयर कलर न सिर्फ सफेद बालों को छिपाने का सही तरीका है, बल्कि अब ये एक स्टाइल स्टेटमेंट भी बन गया है। इसकी वजह से लुक काफी बदल जाता है। इसीलिए अब तो युवाओं के बीच बालों को रंगने का काफी क्रेज है। अगर आप भी अपने बालों को कलर कराना चाहते हैं, तो एक बार पहले अच्छे से सोच लीजिए। यहां आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स हैं, जिनका ध्यान आपको तब रखना है, अगर आप पहली बार हेयर कलर करने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपको किसी तरह की एलर्जी का खतरा नहीं रहेगा।

शही शेड चुने

अगर पहली बार कलर कराने जा रहे हैं तो कलर चुनने से पहले सोच-समझकर फैसला लें। एक बार गलत कराने से आपका पैसा, समय बर्बाद हो सकता है। इसलिए पहली बार में बहुत ब्राइट या एक्सपेरिमेंटल कलर पहली बार में अवॉइड करें। कलर पसंद करते समय अपनी पर्सनालिटी का खास ध्यान रखें।

पैच टेस्ट है सबसे जरूरी

पहली बार बालों में कलर कराना है तो पैच टेस्ट पहले अवश्य करा लें। क्योंकि अगर कलर कराने के बाद ये आपको सूट नहीं किया तो भयंकर एलर्जी का सामना आपको करना पड़ सकता है। कलर लगाने से 24 घंटे

पहले पैच टेस्ट करें ताकि किसी एलर्जी या रिएक्शन का खतरा न हो। ऐसा करने से आप एलर्जी से बच जाएंगे।

प्रोफेशनल से करवाना बेहतर

पहली बार हेयर कलर कभी भी घर पर न करें। इसके लिए किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट की सलाह लें। इससे आपको अच्छा एक्सपीरिएंस मिलेगा। एक अच्छा हेयर एक्सपर्ट आपके स्किन और बालों को देखकर ही राय देता है। पहली बार हेयर कलर कराने से एक हफ्ते पहले से ही अपने बालों का खास ध्यान रखें। इसके लिए हेयर कलर से कुछ दिन पहले बालों को अच्छे से मॉइस्चराइज़ और ऑयल करें। यदि आप डैमेज बालों में कलर लगवाएंगे तो इसका असर लंबे समय तक टिकने वाला नहीं होगा।

फिर लौट रहा 'वाय2के' वाला ट्रेंड्स, लुभा रहा 2000 का ग्लैमर

फैशन कभी आउट ऑफ ट्रेंड नहीं होता। साल 2000 के दशक का फैशन ट्रेंड अब 'वाय2के' बनकर लौटा है। मिलेनियल्स और जेन-जी को यह फैशन स्टाइल खूब भा रहा है। दादी का दौर हो या मम्मी का, हर दशक के फैशन की एक खास बात रही है। शायद यही वजह है कि फैशन ट्रेंड्स समय के साथ बदलते जरूर हैं, लेकिन अक्सर वापस लौटते हैं। आज के समय में नई पीढ़ी उस दौर के कपड़े और एक्सेसरीज को नया ट्विस्ट दे रही है, जिससे वे पुराने होते हुए भी ट्रेंडी लगते हैं। ऐसा ही एक फैशन ट्रेंड लौटकर आया है, जिसके दीवाने सेलिब्रिटी से लेकर आम महिलाएं भी हो रही हैं। यह फैशन ट्रेंड है- 'वाय2के'।

क्या है यह ट्रेंड

वाय 2 के यानी 'ईयर 2000' का फैशन ट्रेंड उस दशक की शुरुआत का ग्लैमरस और बोल्ड स्टाइल था। पॉप कल्चर से प्रेरित यह ट्रेंड फैशन में नॉस्टैल्जिया यानी पुरानी यादों को जोड़ते हुए आपको नए अंदाज से जीने का मौका देता है। नई पीढ़ी के लिए यह इस गर्मी का आकर्षक ट्रेंड बन गया है। जेन-जी और मिलेनियल्स 'वाय2के' फैशन को मॉडर्न ट्रेंड्स और पर्सनल स्टाइल के साथ कॉपी कर रहे हैं, जो पुराने दौर को नए जमाने से जोड़ रहा है।

मैटेलिक फैब्रिक

सिल्वर और गोल्ड शेड्स जैसे ग्लॉसी लुक देने वाले मटेरियल्स 'वाय2के' फैशन की पहचान थे। ये शेड्स पार्टी वियर, बैग, फुटवियर और मेकअप में खूब दिखे। उनका चमकदार, फ्यूचरिस्टिक (अत्याधुनिक) लुक उस दौर की टेक्नोलॉजी और पॉप कल्चर से प्रेरित था। ऐसे में 'वाय2के' ट्रेंड के जरिए मैटेलिक जैकेट्स और शाइनी एक्सेसरीज फिर से युवतियों को आकर्षित कर रही हैं।

15 मिनट में चेहरे पर आ जाएगा निखार, लोग पूछेंगे इसका राज

कई बार बिना किसी प्लानिंग के अचानक से पार्टी में जाने का प्लान बन जाता है। ऐसे में आपको ऐसे फेसपैक के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें न सिर्फ बनाना बल्कि इस्तेमाल करना भी काफी आसान है।

पहला फेस पैक

इस पहले फेस पैक को बनाने के लिए आपको दही, हल्दी और थोड़े से बेसन की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने का तरीका काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले सभी चीजों को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। अच्छी तरह से पैक को लगाने के 10-15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। अब 15 मिनट के बाद चेहरे को हल्का गीला करें और फिर हल्के हाथ से मसाज करते हुए साफ कर लें। इस फेस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा पूरी तरह से खिल उठेगा। पैक को हटाने के बाद मॉइश्चराइज़र लगाएं और टोनर का इस्तेमाल अवश्य करें। इसके बाद आपकी स्किन मेकअप के लिए तैयार है।

दूसरा फेस पैक

इस दूसरे पैक को तैयार करने के लिए आपको केवल दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। इन चीजों में एलोवेरा और शहद शामिल है। फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा मिक्स करें। इसके बाद इसमें शहद डालकर दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स होने के बाद आपका ये फेस पैक तैयार है। अब इसे ब्रश की मदद से अपने चेहरे पर अप्लाई करें और कम से कम 15 मिनट ऐसे ही लगा रहने दें। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा न सिर्फ टाइट हो जाएगा।

जानें हेयर रिमूवर क्रीम के पीछे छिपा कड़वा सच

जल्दबाजी में ज्यादातर लोग ऐसे हेयर रिमूवल क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं, जो बाजार में बेहद कम दाम में मिल जाती है। लेकिन इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं। इसलिए आपको जानना जरूरी है कि आप हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करने के दौरान क्या सावधानी बरतें।

हो सकता है स्किन बर्न

ज्यादातर हेयर रिमूवल क्रीमों में रसायन तत्व होते हैं, जोकि स्किन बर्न का कारण बन सकते हैं। खासतौर पर कैल्शियम थायोग्लाइकोलेट और पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड जैसे तत्वों से तो स्किन की ऊपरी परत जल जाती है, जिससे त्वचा पर छाले हो सकते हैं।

पिगमेंटेशन का रहता है खतरा

यदि आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो आपकी त्वचो पर पिगमेंटेशन का खतरा बढ़ जाता है। पिगमेंटेशन में त्वचा पर डार्क पैच आ जाते हैं, जोकि

देखने में अजीब लगते हैं। ये दिक्कत ज्यादातर अंडरआर्म्स में सामने आती है।

त्वचा होगी ड्राई

अगर आप बार-बार हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। क्योंकि ज्यादा हेयर रिमूवल क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का रूखापन काफी बढ़ जाता है, जिस कारण आपको परेशानी हो सकती है।

हो सकती है एलर्जी

जिन लोगों की त्वचा काफी संवेदनशील है, उनको तो इस हेयर रिमूवल क्रीमों के इस्तेमाल से दूर ही रहना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है।

कार्नर न्यूज

शादी के माहौल में खरीदारी करें सोच समझकर

दुल्हन के लिए खरीदनी है आर्टिफिशियल ब्राइडल ज्वेलरी तो पहले कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करें

वैसे तो शादी का दिन लड़कियों के साथ-साथ लड़कों के लिए भी बेहद खास होता है, लेकिन अपने लुक को खास बनाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत लड़कियां करती हैं। हर होने वाली दुल्हन अपने ब्राइडल लुक को महीनों पहले से प्लान करने लगती है। वो चाहती हैं कि उनका लहंगा, मेकअप और ज्वेलरी सब एकदम परफेक्ट हो। लहंगा और मेकअप तो लड़कियां काफी सोच-समय कर खरीदती हैं, लेकिन सही ज्वेलरी का चयन करना उनके लिए काफी मुश्किल हो जाता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि ब्राइडल गहने खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपका वेडिंग लुक सबसे कमाल का और खूबसूरत लगेगा।

आउटफिट के साथ मैच करें

ब्राइडल लुक को कंप्लीट करने के लिए यदि आप आर्टिफिशयल गहने खरीदने का प्लान कर रही हैं तो सबसे पहले लहंगा, साड़ी या ब्राइडल ड्रेस फाइनल करें। इसके बाद ही ज्वेलरी खरीदें। ये आउटफिट के हिसाब से ही होनी चाहिए। अगर मैच करानी है तो मैच कराइए, वरना आप कॉन्ट्रास्ट में भी इसे कैरी कर सकती है।

ब्लाउज की नेकलाइन के अनुसार देखें

गले का नेकपीस खरीद रही हैं तो पहले अपने ब्लाउज की नेकलाइन देखें। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्राइडल ब्लाउज काफी हैवी होता है। ऐसे में यदि उसके साथ सही ज्वेलरी का चयन

आप नहीं करेंगी तो इससे आपका लुक ही पूरी तरह से खराब हो जाएगा। नेकलाइन और ज्वेलरी के बीच में गैप होना बेहद जरूरी है।

क्वालिटी अवश्य चेक करें

आपके ब्राइडल लुक में हर एक चीज परफेक्ट होनी चाहिए। ऐसे में पैसे बचाने के लिए खराब क्वालिटी की ज्वेलरी कतई न खरीदें। कई बार खराब क्वालिटी के गहनों से स्टोन अपने आप ही निकलने लगते हैं, जिससे आपका लुक खराब हो सकता है। स्टोन के साथ-साथ मटेरियल की फिनिशिंग, पॉलिश और वर्क को ध्यान से देखें।

लॉक होना चाहिए सही

ब्राइडल ज्वेलरी काफी हैवी होती है। इसलिए इसका लॉक अवश्य चेक कर लें। अगर इसका लॉक अच्छी क्वालिटी का नहीं हुआ और वो ज्वेलरी का वजन नहीं उठा पाया तो आपको शर्मिंदा होना पड़ सकता है। लास्ट मूमेंट पर आप ज्यादा कुछ कर भी नहीं पाएंगी।